NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 143 लखनऊ, गुरूवार 09 जनवरी 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

महाकुंभ आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय एकता का प्रतिबिंब : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी) सनातन धर्म को दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति बताते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। एक निजी चौनल द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये योगी ने बुधवार को कहा कि सनातन धर्म की तुलना किसी मत मजहब और संप्रदाय से नहीं हो सकती और इसके सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन भी उतने ही प्राचीन हैं। देवासुर संग्राम के बाद अमृत की बूंदें चार पवित्र स्थलों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरीं। इन स्थानों पर महाकुंभ के आयोजन भारत के ज्ञान, चिंतन और सामाजिक दिशा तय करने का अवसर रहे हैं।महाकुंभ के आयोजन के दौरान भारत के ऋषि–मुनि एकत्र होकर उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंतन करते थे। यह आयोजन न केवल परंपरा का सम्मान है, बल्कि इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन भारत में विरासत और विकास के अद्भुत संगम का प्रतीक है। 2019 के प्रयागराज कुम्भ में यह देखा गया कि कैसे आधुनिक तकनीक, प्रबंधन और संस्कृति का सामंजस्य किया गया। यही प्रयास आने वाले महाकुंभ में भी होगा। प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर महाकुंभ को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस आयोजन से न केवल देश के नागरिक, बल्कि दुनियाभर के लोग भी आकर्षित हो रहे हैं। यह भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को विश्व स्तर पर प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है।योगी ने कहा कि महाकुंभ राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकता का अद्भुत उदाहरण है। यह आयोजन जाति, पंथ और लिंग भेदभाव को समाप्त करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 10 वर्षों में जो प्रगति की है, महाकुंभ इसका सशक्त माध्यम बनेगा। यह भारत की समृद्धि, विरासत और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि विदेशी जूठन खाने वाले लोग हमें बदनाम करने में लगे हैं। देश में जातिवाद का जहर घोलकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं लेकिन देश की जनता अब जागरूक हो चुकी है। राष्ट्रीय एकता और हिंदू एकता पर चर्चा करते हुए योगी ने कहा " सनातन धर्म हमेशा शिखर पर रहा है। हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक–दूसरे के पूरक हैं। इतिहास गवाह है कि जब हम बंटे हैं, तो कमजोर हुए हैं और जब एकजुट हुए हैं, तो अजेय बने हैं। इसीलिए मैंने पहले कहा था कि बंटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो नेक रहोगे। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग जाति और मजहब के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास करते हैं। ये वही शक्तियां हैं जो भारत को कमजोर करने का षड्यंत्र रचती हैं। लेकिन जनता अब जागरूक हो चुकी है। आज यूपी का नागरिक पलायन नहीं कर रहा, माफिया और अपराधी कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड के नाम पर जमीन कब्जे के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यह समझना मुश्किल है कि वक्फ बोर्ड है या भू–माफियाओं का बोर्ड। हमारी सरकार ने वक्फ अधिनियम में संशोधन किया है और एक–एक इंच जमीन की जांच करवा रही है। जिन लोगों ने वक्फ के नाम पर जमीन कब्जाई है, उनसे जमीन वापस ली जाएगी और गरीबों के लिए आवास, शिक्षण संस्थान और

आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन और प्रतिबद्धता है...

राज्य को पीएम मोदी ने दी बड़ी सौगात

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश अपनेनवीन प्र×ति के कारण आईटी और प्रौद्योगिकी का इतना बड़ा हब है। अब समय है, आंध्र नई भविष्य की प्रौद्योगिकियाँ का सेंटर बने। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश ने 2047 तक राज्य को 2.5 ट्रिलियन डश्लर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

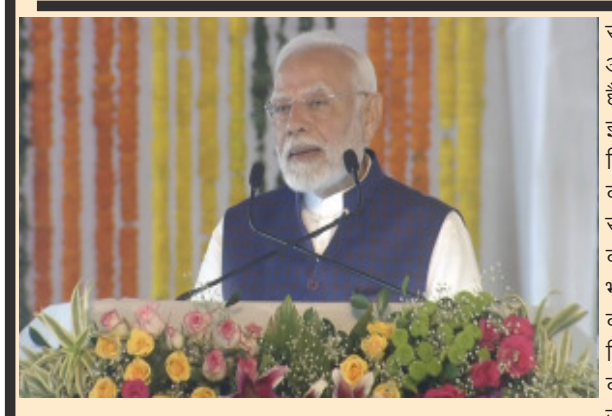

नई दिल्ली (एजेंसी) प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य राज्य के बुनियादी ढांचे, अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना है। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने विशाखापत्तनम में पीएम मोदी का अभिनंदन किया। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा आंध्र प्रदेश संभावनाओं और अवसरों का राज्य है। जब आंध्र की ये संभावनाएं पूरी होंगी तभी प्रदेश और देश का विकास होगा। इसलिए, आंध्र का विकास, ये हमारा विजन है। आंध्र के लोगों की सेवा, ये हमारा संकल्प है।नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश अपनेनवीन प्रकृति के कारण आईटी और प्रौद्योगिकी का इतना बड़ा हब है। अब समय है, आंध्र नई भविष्य की प्रौद्योगिकियाँ का सेंटर बने। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश ने 2047 तक राज्य को 2.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए स्वर्ण आंध्र 2047 की शुरुआत की है। इसमें केंद्र की एनडीए सरकार राज्य को पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश अपनी नवीन भावना के कारण आईटी और प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख केंद्र है। अब आंध्र के लिए नई, भविष्य की प्रौद्योगिकियों का केंद्र बनने का समय आ गया है। हमें उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे हरित हाइड्रोजन के उपयोग में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए, जो भविष्य का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।मोदी ने कहा कि 2023 में राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया। हमारा लक्ष्य 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इसके लिए शुरुआत में दो हरित हाइड्रोजन हब शुरू किए जाएंगे। इनमें से एक हब विशाखापत्तनम में स्थापित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शहरीकरण को एक अवसर के रूप में देखती है। हम आंध्र प्रदेश को नए जमाने के शहरीकरण का उदाहरण बनाना चाहते हैं। उसी दृष्टि को साकार करने के लिए आज कृष्णापट्टनम इंडस्ट्रियल सिटी (ज्ञतै सिटी) की आधारशिला रखी गई है।हम समुद्र से जुड़ी अवसर के पूरे इस्तेमाल के लिए नीली अर्थव्यवस्था को मिशन मोड में बढ़ावा दे रहे हैं।

आपको कितने बंगले चाहिए? शीश महल विवाद के बीच वीरेंद्र सचदेवा का आतिशी से सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार जोरों पर चल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री का निवास, जिसे भाजपा श्शीश महलश बता रही है, बड़ा मामला बन गया है। आम आदमी पार्टी पर इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों निशाना साध रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एबी 17 मथुरा रोड का दौरा किया, यह आवास दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को आवंटित किया गया है, क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया था कि केंद्र ने 6 फ्लैगस्टाफ रोड पर सीएम आवास के लिए उनका आवंटन रद्द कर दिया है।वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के आरोपों को खारिज करते हुए पूछा कि उन्होंने 6 फ्लैगस्टाफ रोड पर कब्जा क्यों नहीं किया। उन पर और हमला करते हुए, दिल्ली भाजपा प्रमुख ने कहा कि उस आवास में प्रवेश करने का मतलब आतिशी को श्शीश महलश की चल रही जांच मेंसहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि आतिशी को आवंटित इस आवास से शीला दीक्षित ने 15 साल तक सरकार चलाई, तो आतिशी को श्शीश महलश क्यों चाहिए, और जब यह आवंटित किया जा रहा था, तो उन्होंने 3 महीने पहले से कार्यभार क्यों नहीं संभाला? भाजपा नेता ने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि इसकी जांच हो रही थी और सीएम को सहयोग करना होगा, जो आतिशी नहीं चाहती थीं और अब जब आचार संहिता लग गई है तो इसकी मांग की जा रही है। एबी 17 मथुरा रोड आधिकारिक तौर पर उन्हें आवंटित किया गया है और वह कालकाजी में रहती हैं। तो आप कितने आवास चाहते हैं? उन्होंने कहा कि जब संजय सिंह, सत्येन्द्र जैन और मनीष सिसोदिया जमानत मिलने के बाद वहां गए थे या जब स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट हुई थी तब श्शीश महलश मीडिया को क्यों नहीं दिखाया गया?

दिल्ली में अलग-थलग पड़ी कांग्रेस

केजरीवाल को मिला इंडिया ब्लॉग का समर्थन

टीएमसी का समर्थन एक दिन बाद आया है अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजधानी में भगवा खेमे के खिलाफ आप को समर्थन की पेशकश की। विशेष रूप से, कांग्रेस और आप राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लश्क का हिस्सा हैं, लेकिन वे दिल्ली चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले इंडिया गुट की एकता कमजोर होती दिख रही है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को 5 फरवरी को होने वाले आगामी चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) को समर्थन दे दिया है। टीएमसी का समर्थन एक दिन बाद आया है अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय राजधानी में भगवा खेमे के खिलाफ आप को समर्थन की पेशकश की। विशेष रूप से, कांग्रेस और आप राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, लेकिन वे दिल्ली चुनाव में एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी की सभी 70 विधानसभा सीटों पर भी चुनाव लड़ रही है।इसके अलावा, सूत्रों ने बताया कि शिव सेना (यूबीटी) अगले कुछ दिनों में अरविंद केजरीवाल और आप के समर्थन में प्रचार करने की योजना बना रही है। केजरीवाल उद्धव ठाकरे के संपर्क में हैं। विशेष रूप से, ।।च ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने के बाद आगामी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का विकल्प चुना है। सत्तारूढ़ ।।च ने 2015 और 2020 के चुनावों में क्रमशः 67 और 62 सीटों के साथ जीत हासिल की और राजधानी में हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखा है। एक्स पर एक पोस्ट में, केजरीवाल ने कहा कि वह आप को समर्थन देने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ष्व्यक्तिगत रूप से आभारीष हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि टीएमसी ने दिल्ली चुनाव में ।।च को समर्थन देने की घोषणा की है। मैं व्यक्तिगत रूप से ममता दीदी का आभारी हूं।श धन्यवाद, दीदी. आपने हमेशा हमारे अच्छे और बुरे समय में हमारा समर्थन और आशीर्वाद दिया है। मंगलवार को, चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आप को अपना समर्थन देने की पेशकश की, जिसके बाद केजरीवाल ने यादव का आभार व्यक्त किया। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि बहुत बहुत धन्यवाद अखिलेश जी। आप हमेशा हमारा समर्थन करते हैं और हमारे साथ खड़े हैं। मैं और दिल्ली के लोग इसके लिए आभारी हैं।दिल्ली चुनाव से पहले आप को टीएमसी के समर्थन के बाद, इंडिया ब्लॉक में संभावित दरार की अटकलें तेज हैं। ऐसी अटकलें हैं कि कांग्रेस पर विपक्षी गुट का नेतृत्व ममता बनर्जी को देने का दबाव है। जहां ममता बनर्जी ने बार–बार भारत गुट का नेतृत्व करने में अपनी रुचि व्यक्त की है, वहीं एनसीपी–सपा के शरद पवार और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी विपक्षी गुट के नेता के रूप में तृणमूल प्रमुख का समर्थन किया है, जिससे कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

माओवादियों के आत्मसमर्पण की सुविधा देने पर बीजेपी विधायक ने जताई चिंता, कहा- ये कदम एएनएफ को हतोत्साहित कर सकती है

कुमार ने सरकार की पुनर्वास नीति की आलोचना करते हुए उसके समय और मंशा पर सवाल उठाया। ष्क्या सिद्धारमैया नक्सलियों के करीब हैं, या जो लोग नक्सलियों के करीबी हैं वे उनके करीब हैं? उन्होने आरोप लगाते हुए पूछा कि यह नीति नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) को हतोत्साहित कर सकती है, जो वर्षों से वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला कर रहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी) कर्नाटक भाजपा के महासचिव सुनील कुमार ने छह माओवादियों के आत्मसमर्पण की सुविधा देने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर चिंता जताई है। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने सरकार के कदम को वन नक्सलियों को शहरी नक्सली में बदलने के लिए बनाया गया एक पैकेज करार दिया। यह आत्मसमर्पण मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा माओवादियों से हथियार छोड़कर लोकतांत्रिक मुख्यधारा में शामिल होने की अपील के एक सप्ताह बाद आया है। छह व्यक्तियों, मुंदगारू लता, सुंदरी कुथलूर, वनजाक्षी बालेहोल, मारेप्पा अरोली (कर्नाटक), के वसंत (तमिलनाडु) और जीशा (केरल) ने आज मुख्यमंत्री के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। कुमार ने सरकार की पुनर्वास नीति की आलोचना करते हुए उसके समय और मंशा पर सवाल उठाया। क्या सिद्धारमैया नक्सलियों के करीब हैं, या जो लोग नक्सलियों के करीबी हैं वे उनके करीब हैं? उन्होंने आरोप लगाते हुए पूछा कि यह नीति नक्सल विरोधी बल (एएनएफ) को हतोत्साहित कर सकती है, जो वर्षों से वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला कर रहा है। उन्होंने आगे दावा किया कि पिछले महीने उडुपी जिले में माओवादी नेता विक्रम गौड़ा की मुठभेड़ में हत्या के बाद आत्मसमर्पण किया गया था। कुमार ने कहा कि यह कोई आत्मसमर्पण पैकेज नहीं है बल्कि शहरी नक्सलियों की संख्या बढ़ाने की एक खतरनाक कवायद है।आत्मसमर्पण व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मैं केवल यह कह सकता हूं कि वे आत्मसमर्पण कर रहे हैं। मैं उनकी मांगों या हमारे वादों के बारे में विवरण साझा नहीं कर सकता। इनका खुलासा बाद में किया जाएगा। कुमार ने सरकार से नीति पर पुनर्विचार करने और आत्मसमर्पण के लिए पैकेज की पेशकश के बजाय लोगों का विश्वास जीतने के लिए विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

कृष्ण जन्मभूमि से जुड़े और मामले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में लाने की मांग

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता रीना एन सिंह और राणा सिंह ने दलील दी कि ×ष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़े कई मुकदमों की सुनवाई उच्च न्यायालय द्वारा की जा रही है। यह मामला ऐतिहासिक महत्व का है।

नई दिल्ली (एजेंसी) इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कृष्ण जन्मभूमि से संबंधित एक स्थानांतरण याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए इसकी अगली तिथि 20 फरवरी, 2025 तय की। इस याचिका में कृष्ण जन्मभूमि से जुड़े और मामले मथुरा की अदालत से उच्च न्यायालय स्थानांतरित किए जाने की मांग की गई है।भगवान श्री कृष्ण लाला विराजमान द्वारा इनके मित्र के जरिए दायर स्थानांतरण याचिका पर न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र ने यह आदेश दिया। याचिका में कृष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़े मामले उच्च न्यायालय स्थानांतरित किए जाने की मांग की गई है।याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता रीना एन सिंह और राणा सिंह ने दलील दी कि कृष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़े कई मुकदमों की सुनवाई उच्च न्यायालय द्वारा की जा रही है। यह मामला ऐतिहासिक महत्व का है।उच्च न्यायालय को बताया गया कि छह मामले मथुरा की अदालत में लंबित हैं जिसमें से एक मामला राधा रानी वृषभानु कुमारी (वृंदावन) का है।

समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर कर दी ये बड़ी मांग

निर्वाचन आयोग ने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित कर दिया, जिसके तहत पांच फरवरी को मतदान और आठ फरवरी को मतगणना होगी।

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर 5 फरवरी, 2025 को मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में सभी 414 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग की मांग की है। पार्टी ने अनुरोध किया है कि वेबकास्टिंग लिंक को उम्मीदवारों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा किया जाए, जिससे वे मतदान प्रक्रिया की निगरानी कर सकें और स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कर सकें।निर्वाचन आयोग ने अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित कर दिया, जिसके तहत पांच फरवरी को मतदान और आठ फरवरी को मतगणना होगी। मिल्कीपुर विधानसभा सीट 2022 में समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए अवधेश प्रसाद के 2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद (अयोध्या) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी के तौर पर सांसद चुने जाने के बाद विधानसभा सीट से उनके इस्तीफा देने से रिक्त हुई है। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर के हवाले से बताया गया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए घोषित कार्यक्रम के अनुसार, निर्वाचन की अधिसूचना 10 जनवरी 2025 (शुक्रवार) को जारी की जाएगी।

शरद पवार के सांसदों को तोड़ने की कोशिश में अजित गुट?

संजय राउत के दावे से महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज

एनसीपी के फिर से एकजुट होने की संभावना पर रोहित पवार ने कहा कि अजित दादा और पवार साहब के निर्णय लेने तक केवल बातचीत होगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर कुछ भी होना है, तो इन दोनों नेताओं के निर्णय लेने के बाद ही होगा।

नई दिल्ली (एजेंसी) शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रतिद्वंद्वी एनसीपी (एसपी) में दलबदल कराने की कोशिश कर रही है और उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दिलाने का वादा कर रही है। इसके बाद पूरा मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। एनसीपी सांसद सुनील तटकरे द्वारा एनसीपी–एससीपी सांसदों से संपर्क करने की खबरों पर एनसीपी–एससीपी नेता रोहित पवार ने कहा कि समय मिलने पर वह उनसे संपर्क कर सकते है। वह एक सांसद हैं। लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हमारी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया थी।

एनसीपी के फिर से एकजुट होने की संभावना पर रोहित पवार ने कहा कि अजित दादा और पवार साहब के निर्णय लेने तक केवल बातचीत होगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर कुछ भी होना है, तो इन दोनों नेताओं के निर्णय लेने के बाद ही होगा। वहीं, संजय राउत की यह टिप्पणी राकांपा नेता अमोल मिटकरी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के कुछ लोकसभा सदस्य महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के संपर्क में हैं।राकांपा (सपा) विधायक और पूर्व राज्य मंत्री जितेंद्र अवहाद ने यह भी आरोप लगाया कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के राज्य प्रमुख सुनील तटकरे ने प्रतिद्वंद्वी गुट के सांसदों से षपिता और बेटी को छोड़नेष के लिए कहा था,।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा अवैध हुक्का बार पर कार्रवाई

लखनऊ(संवाददाता) के विकासनगर थाना क्षेत्र में स्थित ष्रेस्तरां कैफे र। ष्मैछज्ञ्ष में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुलाचीन मंदिर के पास स्थित इस कैफे की तीसरी मंजिल पर हुक्का बार चलाया जा रहा है।मौके पर छापा मारते हुए पुलिस ने 16 हुक्के बरामद किए, जिनमें से 9 चालू हालत में और 7 अर्ध–चालू हालत में पाए गए। इसके अतिरिक्त, हुक्का बार से ₹28,500 की नगदी भी जब्त की गई।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनमें हर्ष वर्धन सिंह, राहुल, प्रांजल सिंह, और रमन सिंह शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में से दो का स्थाई पता बलरामपुर के महराजगंज तराई क्षेत्र का है।पुलिस के अनुसार, हुक्का बार संचालक लोगों को लाइसेंस का झांसा देकर नशीले फ्लेवर वाले हुक्के परोसते थे। मुख्य संचालक अमृत सिंह आनंद मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।इस पूरी कार्रवाई में विकासनगर थाने के थानाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊपुलिस ने जानलेवा फायरिंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

लखनऊ(संवाददाता) के बीबीडी थाना क्षेत्र में जान से मारने की नियत से फायरिंग और गाली–गलौज करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना 6 जनवरी 2025 की है, जब एमिटी ग्रीन सिटी की निवासी प्रिया मिश्रा ने बीबीडी थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने बताया कि सामन्त देव शुक्ला और नरेन्द्र नाथ शुक्ला ने उनके घर पर फायरिंग की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया।शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 7 जनवरी 2025 को मानस गार्डन रोड पर छापा मारकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से लाइसेंसी पिस्टल, 45 बोर की मैगजीन, छह खोखे कारतूस और घटना में प्रयुक्त फार्च्यूनर कार बरामद की गई।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सामन्त देव शुक्ला, निवासी विनीत खंड गोमतीनगर, उम्र 36 वर्ष और नरेन्द्र नाथ शुक्ला, निवासी सृजन बिहार गोमतीनगर, उम्र 55 वर्ष के रूप में हुई।पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में बीबीडी थाना पुलिस और डीसीपी क्राइम टीम ने मिलकर काम किया।

लखनऊपुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया

लखनऊ(संवाददाता) के चिनहट थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी मोहम्मद नईम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी महाराष्ट्र के पालघर जिले के नाला सौपारा थाना क्षेत्र से की गई।घटना 19 मई 2024 की है, जब वादिनी ने अपनी नाबालिग बेटी को बहला–फुसलाकर भगाने के आरोप में मोहम्मद नईम के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने धारा 363 और 366 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में 3 जून 2024 को पीड़िता के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर धारा 376 और पॉक्सो एक्ट भी जोड़े गए।आरोपी मोहम्मद नईम, जो गोंडा जिले के खोडारे थाना क्षेत्र के पिकौरा गांव का निवासी है, लंबे समय से फरार था। पुलिस ने उसे 6 जनवरी 2025 को ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की।इस गिरफ्तारी में चिनहट पुलिस के उपनिरीक्षक दिनेश कुमार तिवारी और कांस्टेबल शिवानंद खरवार व मनीष कुमार ने अहम भूमिका निभाई। आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

गुमशुदा बच्ची को पुलिस ने ढूंढकर परिजनों से मिलवाया

लखनऊ(संवाददाता) के अलीगंज क्षेत्र में गुम हुई 12 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया।घटना 7 जनवरी 2025 की है। सीतापुर जिले के सिधौली निवासी मिथलेश कुमार की ममेरी बहन बिना बताए घर से निकल गई और रास्ता भूल गई। परिजनों ने शाम करीब 8 बजे अलीगंज के पुरनिया चौकी पर बच्ची की गुमशुदगी की सूचना दी।सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी विनय कुमार मिश्रा ने सक्रियता दिखाते हुए थाना प्रभारी को सूचित किया और क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए रात 10 बजे मड़ियांव के महाराणा प्रताप पार्क के पास से बच्ची को सुरक्षित ढूंढ निकाला।बच्ची को सुरक्षित देखकर उसके परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता के लिए आभार व्यक्त किया।

किडनी फेल होने के कारण युवक की मृत्यु, विवाद के बाद परिजनों ने अपने खेत में अंतिम संस्कार किया

लखनऊ(संवाददाता) 32 वर्षीय विवेक गुप्ता, पुत्र सुरेश गुप्ता की किडनी फेल होने के कारण आज रात में मृत्यु हो गई। इस दौरान मृतक के अंतिम संस्कार को लेकर स्थानीय लोगों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया।गांव के दिनकरपुर झलौआ स्थित अंत्येष्टि स्थल पर अंतिम संस्कार को लेकर विरोध था, क्योंकि वह स्थान विवादित था। हालांकि, मृतक के परिजनों ने स्थानीय लोगों से समझ–बुझ कर मामला सुलझाया और वे स्वयं की जमीन पर अंतिम संस्कार के लिए सहमत हो गए।गांव कोटवा का शमशान स्थल 500 मीटर की दूरी पर स्थित था, लेकिन परिजनों ने अपनी जमीन पर अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया।

महाकुम्भ-2025:श्रद्धालुओं के लिए प्रबंध और आकर्षणों का उद्घाटन

लखनऊ (संवाददाता) उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज महाकुम्भ–2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया। प्रयागराज में महाकुम्भ क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद मंत्री ने सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ भारतीय आस्था का प्रतीक है और राज्य सरकार का प्रयास है कि महाकुम्भ से लौटने वाला प्रत्येक श्रद्धालु एक सुखद अनुभव लेकर जाए। जयवीर सिंह ने बताया कि महाकुम्भ में लगभग 40 से 50 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इस विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की ठहरने, आने–जाने की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में प्रदेश के विभिन्न लोक कलाकारों द्वारा 45 दिनों तक 20 लघु मंचों पर प्रदर्शन किया जाएगा और भव्य ड्रोन शो तथा लेजर शो आयोजित किए जाएंगे।महाकुम्भ के दौरान 13 जनवरी से 26 फरवरी तक देशभर के कलाकारों का संगम होगा और श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए विविध विधाओं के शीर्ष कलाकार प्रस्तुति देंगे। उन्होंने महाकुम्भ–2025 की ब्रांडिंग और मार्केटिंग को बढ़ावा देने की अपील की और कहा कि इससे सनातन संस्कृति को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाएगा।मंत्री ने महाकुम्भ से जुड़ी सभी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि महाकुम्भ के दौरान विशेष रूप से देश और विदेश के वरिष्ठ नेताओं, राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और विदेशी राजदूतों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा यूपी स्टेट पवेलियन स्थापित किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख धार्मिक स्थलों का 3डी मानचित्र प्रदर्शित किया जाएगा।इसी तरह, पर्यटकों की सुविधा के लिए ऐप और वेबसाइट तैयार किए गए हैं, जिसमें पर्यटकों को आसपास के पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यटकों के मार्गदर्शन के लिए गाइड, वेंडर्स, नाविक, और ड्राइवरों को तैयार किया गया है।यूपी पर्यटन निगम की एमडी सुश्री सान्या छाबड़ा ने बताया कि मेले में यातायात, हेलीकॉप्टर जॉयराइड, योग एवं मेडिटेशन सेंटर सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

स्वच्छ गरिमा विद्यालय कार्यशाला का आयोजन,

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर जागरूकता

लखनऊ (संवाददाता)उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ष्स्वच्छ गरिमा विद्यालयष् विषय पर समग्र शिक्षा (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश और यूनीसेफ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल गोल्डन ट्यूलिप, लखनऊ में किया गया। यह कार्यशाला 7 से 8 जनवरी 2025 तक आयोजित हुई।कार्यशाला का उद्घाटन महानिदेशक स्कूल शिक्षा सुश्री कंचन वर्मा ने किया। उद्घाटन सत्र में उन्होंने बताया कि माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन और उपलब्ध उपायों, जैसे अवशोषकों, के बारे में समय–समय पर जानकारी दी जानी चाहिए।यूनीसेफ के विशेषज्ञों ने कहा कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर चर्चा किशोरियों को सशक्त बनाने के साथ–साथ समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करती है। यह कार्यक्रम आधी आबादी के सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें नोडल शिक्षक एक प्रेरक भूमिका निभा रहे हैं।कार्यशाला के दौरान विभिन्न सत्रों में विद्यालयों में गरिमापूर्ण माहवारी स्वच्छता प्रबंधन सुविधाओं और मानक संचालन प्रक्रिया पर चर्चा की गई। इसमें गरिमा क्लब, गरिमा संवाद, गरिमा कॉर्नर, अवशोषक आपूर्ति, दर्द प्रबंधन सुविधा, माहवारी अनुपालक बालिका शौचालय, मासिक धर्म अपशिष्ट प्रबंधन, और स्वास्थ्य सहायता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी गई।कार्यशाला के समापन अवसर पर श्री विष्णु कान्त पाण्डेय, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा (मा0), उत्तर प्रदेश ने कहा कि यह नितांत आवश्यक है कि विद्यालयों के माध्यम से किशोरियों में माहवारी के प्रति सजगता और संवेदनशीलता विकसित हो। उन्होंने नोडल शिक्षिकाओं को गरिमा दूत के रूप में संबोधित कर उनके महत्व पर बल दिया और उनकी भूमिका को सराहा।इस कार्यशाला में प्रदेश के समस्त जनपदों से एक–एक नोडल शिक्षिका ने भाग लिया। कार्यशाला में यूनीसेफ के श्री अमित मेहरोत्रा, चीफ फील्ड आफिसर, कुमार विक्रम, विशेषज्ञ, और अन्य ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को महाकुंभ-2025 में आमंत्रित किया

लखनऊ (संवाददाता)प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महाकुंभ–2025 में आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने केंद्रीय

मंत्री को बताया कि यह ऐतिहासिक आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसे दिव्य, भव्य और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।श्री शाही ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि महाकुंभ 2025 को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में डेढ़ लाख से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। इसके अलावा, सिंगल–यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, और पर्यावरण संरक्षण के लिए तीन लाख पौधे लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सात स्तरीय सुरक्षा चक्र, 2,750 सीसीटीवी कैमरे और अत्याधुनिक एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत 100 बेड का अस्पताल और आईसीयू की व्यवस्था की गई है।महाकुंभ के दौरान प्रयागराज को सजाने के लिए 'पेंट माई सिटी' अभियान चलाया गया है, जिसमें 35 लाख वर्गफुट क्षेत्र में वॉल पेंटिंग की गई है। तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 101 स्मार्ट पार्किंग स्थल और 1,249 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है।

ग्रेटर नोयडा में इंडसफूड एक्सपो-2025 में यूपी पवेलियन का उद्घाटन

कृषि निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

लखनऊ (संवाददाता)प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को ग्रेटर नोयडा में आयोजित तीन दिवसीय ष्इंडसफूड एक्सपो–2025ष् में कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग द्वारा स्थापित उत्तर प्रदेश पवेलियन का उद्घाटन किया। इस एक्सपो का आयोजन 8 से 10 जनवरी तक हो रहा है और यह कृषि कंपनियों को वैश्विक खरीदारों से जुड़ने, नए बाजारों की खोज करने और अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहा है।श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के कृषि उत्पादों की विदेशी बाजारों तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। यूपी पवेलियन में प्रदेश के 20 भौगोलिक उपदर्शन (जीआई उत्पादों) की प्रदर्शनी आयोजित की गई है। पवेलियन में उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति, 2019 (यथा संशोधित 2024) के प्रोत्साहनों को डिजिटली क्यूआर कोड के माध्यम से आगंतुकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों के लिए कई भाषाओं में (रूसी, अरबी, स्पेनिश और अंग्रेजी) फोल्डर तैयार किए गए हैं, जिससे विदेशी खरीदारों का आकर्षण बढ़ रहा है।उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में पांच निर्यात क्लस्टर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से चार बासमती (मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ) और एक आम क्लस्टर सीतापुर में स्थित है। इसके साथ ही, एक्सपो में उपस्थित विदेशी और अन्य आगंतुकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रयागराज महाकुम्भ–2025 में प्रतिभाग करने का आमंत्रण भी दिया गया।इस अवसर पर कृषि विपणन निदेशालय लखनऊ से सहायक निदेशक संजय कुमार, सहायक कृषि विपणन अधिकारी राहुल यादव, मण्डी परिषद से उप निदेशक अमरेश कुमार मौर्य, ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के अपर महानिदेशक विजय कुमार गाबा, संयुक्त निदेशक अंशुमन बाजपेयी और उप निदेशक उद्यान आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 'स्टाम्प कमी समाधान योजना' को पुनः लागू किया, 31 मार्च 2025 तक प्रभावी

लखनऊ(संवाददाता) उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में लंबित स्टाम्प वादों के त्वरित निस्तारण और राजस्व वसूली में तेजी लाने के उद्देश्य से 'स्टाम्प कमी समाधान योजना' को पुनः लागू करने का निर्णय लिया है। यह योजना 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेगी।प्रदेश के स्टांप तथा पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवींद्र जायसवाल ने विधान भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पक्षकार मात्र 100 रुपये के न्यूनतम अर्थदंड और नियमानुसार ब्याज अदा कर लंबित वादों का समाधान करवा सकते हैं।श्री जायसवाल ने कहा कि स्टांप पंजीयन विभाग द्वारा एकमुश्त समाधान योजना भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 के तहत लंबित मामलों के निस्तारण के लिए तैयार की गई है। राज्य के स्टाम्प कलेक्टर और मा० सी०सी०आर०ए० के न्यायालयों में हजारों मामले लंबित हैं, जिनसे राज्य को राजस्व की क्षति हो रही है। इन वादों का शीघ्र निपटारा न केवल राज्य के राजस्व में वृद्धि

करेगा, बल्कि जनता को न्याय में देरी और आर्थिक बोझ से भी राहत प्रदान करेगा।उन्होंने कहा कि यह पहल माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षाओं के अनुरूप है, ताकि शासन को जनता के लिए सुगम बनाया जा सके। इससे पूर्व, स्टाम्प कमी के मामलों में चार गुना तक का अर्थदंड वसूला जाता था, जो पक्षकारों के लिए भारी आर्थिक बोझ बन जाता था। नई योजना के तहत यह अर्थदंड घटाकर मात्र 100 रुपये कर दिया गया है, जिससे पक्षकारों को आर्थिक राहत मिलेगी। साथ ही, वाद लंबित रहने से बढ़ने वाले ब्याज का बोझ भी कम होगा।श्री जायसवाल ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित न्यायालय पक्षकारों को नोटिस भेजेंगे, ताकि उन्हें योजना की जानकारी मिल सके। इच्छुक पक्षकार निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। संबंधित अधिकारी आवेदनों पर एक सप्ताह के भीतर तिथि निर्धारित कर आवश्यक कार्यवाही करेंगे। इससे न केवल वादों की संख्या घटेगी, बल्कि जनता को त्वरित समाधान का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत राज्य की राजस्व आय में भी वृद्धि होगी, और समाधान प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी, जिससे जनता में विश्वास बढ़ेगा।

महाकुम्भ-2025 के लिए केंद्रीय मंत्रियों को उत्तर प्रदेश सरकार का निमंत्रण

लखनऊ (संवाददाता)उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री राजभूषण चौधरी को महाकुम्भ–2025 में भाग लेने का निमंत्रण दिया। यह ऐतिहासिक आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में आयोजित होगा, और इसे दिव्य, भव्य और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।दयाशंकर सिंह ने केंद्रीय मंत्रियों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ–2025 की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में डेढ़ लाख से अधिक शौचालय बनाए गए हैं सिंगल–यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है, और पर्यावरण संरक्षण के लिए तीन लाख पौधे लगाए गए हैं।महाकुम्भ–2025 की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सात स्तरीय सुरक्षा चक्र, 2,750 सीसीटीवी कैमरे और अत्याधुनिक एआई आधारित निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, 100 बेड का अस्पताल और आईसीयू की व्यवस्था भी की गई है।महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज को सजाने के लिए श्पेंट माई सिटीश अभियान चलाया गया है, जिसमें 35 लाख वर्गफुट क्षेत्र में वॉल पेंटिंग की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 101 स्मार्ट पार्किंग स्थल और 1,249 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। डिजिटल खोया–पाया केंद्र और गूगल मैप इंटीग्रेशन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।श्रद्धालुओं के बेहतर आवागमन के लिए 7000 ग्रामीण बसें और 350 शटल बसें मेला क्षेत्र में लगाई गई हैं। साथ ही, प्रदूषण मुक्त यात्रा के लिए परिवहन निगम मेला क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों का भी संचालन कर रहा है।

नगर विकास एवं उर्जा मंत्री एके शर्मा ने महाकुंभ-2025 की तैयारियों का लिया जायजा

लखनऊ (संवाददाता)उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं उर्जा मंत्री एके शर्मा ने बुधवार को महाकुंभ–2025 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रयागराज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शहर के विभिन्न विकास कार्यों और सफाई व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मंत्री ने विशेष रूप से महाकुंभ के दृष्टिगत प्रयागराज के सोरांव में बन रहे पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।मंत्री ने स्वच्छता रथ यात्रा में भी भाग लिया और लोगों से सफाई के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी दिन–रात परिश्रम कर रहे हैं, लेकिन स्वच्छता कार्यों में जनसहयोग जरूरी है। स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए भारद्वाज आश्रम से रथ यात्रा निकाली गई। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस बार के महाकुंभ में प्रयागराज को वैश्विक स्तर का नगर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।इसके बाद, मंत्री ने नगर विकास, विद्युत विभाग, जलकल और जल निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की और महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र और शहर की सड़कों की साफ–सफाई और जल निकासी कार्यों को समय पर पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, सड़क और गलियों में स्ट्रीट लाइट्स की उचित व्यवस्था और मेला क्षेत्र में विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात की।श्री शर्मा ने महाकुंभ की तैयारियों के तहत किए गए सुंदर कार्यों का भी निरीक्षण किया, जिनमें मलाक हरहर फ्लाईओवर के नीचे किए जा रहे सुंदरीकरण कार्य, पौधारोपण, सड़क की पट्टे की पुताई, और दीवारों पर कलाकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस बार का महाकुंभ अद्भुत और ऐतिहासिक होगा, जिसमें प्रयागराज को पूरी तरह से सजाया और संवारा गया है।मंत्री ने यह भी बताया कि महाकुंभ में प्रयागराज को न केवल स्वच्छ किया गया है, बल्कि इसकी आधारभूत संरचना भी सुदृढ़ की गई है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को एक सुंदर और विलक्षण नगर के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जो पूरे विश्व में अपनी महिमा और भव्यता से प्रसिद्ध होगा।

इस मौके पर मंत्री ने महाकुंभ के लिए प्रयागवासियों को बधाई दी और उन्हें इस स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय युवा उत्सव के लिए उत्तर प्रदेश के प्रतिभागियों को रवाना किया

लखनऊ(संवाददाता) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर 10 से 12 जनवरी, 2025 तक भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 28वें राष्ट्रीय युवा उत्सव में उत्तर प्रदेश के प्रतिभागी दल को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के युवाओं के लिए अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश पिछले 7 वर्षों में तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ा है और आज यह देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के युवा आज अपने राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सम्मान देते हुए विकास के सफर में सक्रिय रूप से भागीदार बन रहे हैं।मुख्यमंत्री ने बताया कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के मौके पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है, और इस दिन को विशेष रूप से युवाओं के लिए एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह उत्सव पिछले कई वर्षों से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें युवाओं को देश के बारे में सीखने और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलता है। इस वर्ष, इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं को प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से संवाद करने का भी अवसर मिलेगा, जो इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना देता है।उत्तर प्रदेश से 63 युवा प्रतिभागी इस उत्सव में भाग लेंगे, जो विभिन्न सांस्कृतिक और कौशल विकास कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रदेश के युवा अपनी कला, संस्कृति और श्एक जनपद, एक उत्पाद योजनाश के माध्यम से राज्य की प्राचीन विधाओं को प्रस्तुत करने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद की पीतल, अलीगढ़ का हार्डवेयर, फिरोजाबाद का ग्लास, लखनऊ की चिकनकारी, मेरठ का खेल का सामान, और अन्य केंद्र प्रदेश की प्राचीन विरासत के प्रतीक हैं जिन्हें सरकार 'एक जनपद, एक उत्पाद योजना' के तहत बढ़ावा दे रही है।

कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में संगठन सृजन कार्य की शुरुआत की

लखनऊ (संवाददाता)उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय ने आज एक प्रेस वार्ता में बताया कि कांग्रेस पार्टी ने राज्य में संगठन सृजन का कार्य शुरू कर दिया है। यह प्रक्रिया कल से शुरू हुई है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से चर्चा की जा रही है। पाण्डेय ने कहा कि यह कार्य केवल एक या दो लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल किया गया है।उन्होंने बताया कि इस संगठन सृजन कार्य में आदरणीय राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में प्रदेश स्तर, मंडल स्तर, ब्लॉक स्तर और बूथ स्तर तक कमेटियों का गठन किया जाएगा। संगठन निर्माण के पहले चरण में 75 जिलों और 58 शहर इकाइयों का गठन किया जाएगा। इसके लिए वरिष्ठ नेताओं की एक चयन समिति गठित की गई है, जिसमें भूतपूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सलमान खुर्शीद, अरुण कुमार मुन्ना, राज बब्बर, बृजलाल खाबरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री किशोरी लाल शर्मा (सांसद), पूर्व सांसद पीएल पुनिया, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना और विधायक वीरेन्द्र चौधरी जैसे नाम शामिल हैं। यह प्रक्रिया 12 जनवरी तक समाप्त होगी।श्री पाण्डेय ने बताया कि इस संगठन सृजन की श्रृंखला में आज प्रयाग जोन के 12 जनपदों के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसमें सुल्तानपुर, अमेठी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी और सोनभद्र शामिल थे। बैठक में प्रयाग जोन के सह प्रभारी राष्ट्रीय सचिव श्री राजेश तिवारी भी उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि इस 5 स्तरीय संगठन निर्माण प्रक्रिया का बड़ा असर आगामी समय में दिखाई देगा। यह कार्य कांग्रेस पार्टी के उत्साह के साथ चल रहा है और जनपदों से चुने गए वरिष्ठ नेताओं को इसमें सक्रिय रूप से शामिल किया गया है।श्री पाण्डेय ने यह भी बताया कि कांग्रेस पार्टी समय–समय पर जनता से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष करती रही है। हाल ही में पार्टी ने विधानसभा घेराव किया था, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन द्वारा उत्पन्न की गई अड़चनों के बावजूद संघर्ष किया।

पूर्व विधायक ने सर्दी राहत रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना’

समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू एड एक दशक से कर रहे जरूरतमंदों की सहायता’

‘हरदोई।’ कड़कड़ाती ठंड में मिशन आत्मसंतुष्टि का श्सर्दी राहत रथश जरूरतमंद लोगों के जीवन में गर्माहट भरने का काम कर रहा है। निर्धन परिवारों के मुखिया अक्सर गर्म कपड़े और कंबल आदि का खर्च वहन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं समेत अन्य वर्ग के लोगों को ठंड से निपटने का कोई जरिया नहीं सूझता है। इस स्थिति में मिशन आत्मसंतुष्टि संस्था के संरक्षक समाजसेवी राजवर्धन सिंह राजू का यह श्सर्दी राहत रथश का प्रयास न सिर्फ अभिनंदनीय है बल्कि अनुकरणीय भी है। उक्त बातें पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गंगा सिंह चौहान ने कहीं,वह नटवीर पुलिया स्थित कार्यालय पर बुधवार को श्सर्दी राहत रथश को रवाना करते समय उपस्थिति लोगों को संबोधित कर रहे थे।

नगर पालिका परिषद हरदोई के अध्यक्ष सुख सागर मिश्र मधुर ने बताया कि राजवर्धन सिंह का सर्दी राहत रथ गांव–गांव और दूरदराज के क्षेत्रों में जाकर न सिर्फ लोगों को गर्म चाय मुहैया कराएगा, बल्कि जरूरतमंदों को गर्म कपड़े, कंबल और खड्या सामग्री भी मुहैया कराएगा। इस सर्दी राहत रथ पर जरूरतमंद लोगों के लिए हरसंभव मदद भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सर्दी राहत रथ के शुभारंभ जिस तरह से हुआ है उससे स्पष्ट है कि इससे हजारों लोगों को रोजाना लाभ मिलेगा। मिशन आत्मसंतुष्टि के संस्थापक राजवर्धन सिंह राजू ने बताया कि प्रत्येक वर्ष शमिशन आत्मसंतुष्टिश के बैनर तले एक सर्दी राहत रथ चलवाया जाता रहा है। इस वर्ष से जरूरी सुविधाओं से सुसज्जित दो गाड़ियां चलेंगी। गाड़ी में मौजूद कार्यकर्ता प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचकर हरसंभव सहायता पहुंचाएंगे। हमारा प्रयास है कि ठंड में गरीब के काम आ सके सकें। कोई नए कपड़े और कंबल दान करना चाहता है तो संस्था जरूरतमंद लोगों तक उन्हें बंटवाने का काम करेगी। राजवर्धन सिंह राजू ने बताया कि सर्दी राहत रथ के रवानगी के मौके पर इस मौके पर उपस्थित सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को कंबल, गर्म कपड़े वितरित किए गए। बार एसोसिएशन हरदोई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामेंद्र सिंह तोमर, महामंत्री अनिल शुक्ला, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोकी सिंह गौर, समाजसेविका निरमा देवी, समाजसेवी महेश यादव, कमला किशोर मिश्रा, रणधीर बहादुर आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे,,

न्याय की दीवार में नींव की ईंट है अधिवक्ता आदर्श दीपक

हरदोई सवर्ण चेतना सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 आदर्श दीपक मिश्र की अध्यक्षता में बार एसोिएसशन हरदोई में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को अधिवक्ता विशिष्ट जन सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले प्रमुख रूप से अध्यक्ष रामेन्द्र सिंह तोमर, महामंत्री अनिल कुमार मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष राम सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशान्त मिश्रा, संयुक्त मंत्री प्रशासन प्रतिमा मिश्रा, संयुक्त मंत्री प्रशासन, संयुक्त मंत्री पुस्तकालय अमित कुमार शर्मा, संयुक्त मंत्री प्रकाशन वीरेन्द्र कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष रामप्रताप यादव, वरिष्ठ सदस्य महामहिमा, वरिष्ठ सदस्य शिवमोहन शुक्ला, देवेन्द्र श्रीवास्तव, सुनील सिंह सोमवंशी, अनिल कुमार गुप्ता, अश्वनी कुमार शुक्ला, कनिष्ठ सदस्य नितिन गुप्ता, अमृत सिंह, सौरभ मिश्रा, राहुल कनौजिया, रविशंकर पाण्डेय, सतीश कुमार शुक्ला का स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बार एसोसिएशन हरदोई के अध्यक्ष रामेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि सवर्ण चेतना सभा हमेशा ही सामाजिक समरसता, सामाजिक दायित्वो एंव सर्व समाज के सम्मान के लिये हमेशा अग्रणी भूमिका में रहती है अधिवक्ता समाज के शोषित वंचित, दलित, गरीब मजरूम के हको को न्याय के लिये हमेशा तत्पर रहती है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में महामंत्री अनिल मिश्रा बहोरवा ने कहा कि अधिवक्ता आय के उददेश्य से नही वरन समाज को न्याय आम सुलह हो इसके लिये चौबिसो घण्टो संघर्ष रहित रहता है। हम संस्था को बहुत अभार व्यक्त करते है जिनके द्वारा लगातार सामाजिक गतिविधियो एंव आमजनो के लिये आवाज उठाने का काम करते है। कार्यक्रम आयोजक प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 आदर्श दीपक मिश्रा एडवोकेट ने सभी अधिवक्ता साथियो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट समता शर्मा एंव प्रीती द्विवेदी ने संयुक्त रूप से किया। स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अरविन्द कुमार त्रिपाठी, विजय पाण्डेय एडवोकेट, रामजी अवस्थी, रामसुत श्रीवास्तव, सुशील त्रिपाठी, नीरज मिश्रा, प्रशान्त मिश्रा, अभिषेक त्रिपाठी, विनय शुक्ला बन्टू, सतेन्द्र मिश्रा, अमित बाजपेयी राजीव कश्यप, अयूब खान, राहुल यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बाबा साहब के सपनों को पूरा करने के लिए पीएम मोदी ने योजनाओं की झड़ी लगा दी:शंकर लाल लोधी

हरदोई भाजपा जिला कार्यालय पर ष्संविधान गौरव अभियानष विषय की जिला कार्यशाला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में संपन्न हुई।भाजपा जिला कार्यालय पर ष्संविधान गौरव अभियानष विषय की जिला कार्यशाला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला में जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने बताया कि 11 से 25 जनवरी तक संविधान के प्रति सम्मान और उसके मूल्य को बढ़ावा देने के लिए अभियान शुरू करेगी। अभियान का उद्देश्य संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाना है। इसके लिए जिला स्तर पर 4 और मंडल में तीन–तीन सदस्यों की टोली बनेगी। जिला व विधानसभा एवं मंडल स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री या भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। भाजपा का यह अभियान समाज के हर वर्ग को साथ जोड़ने के लिए चलाया जा रहा है। जिससे विपक्ष जाति और ध्र्म के नाम पर लोगों को न बरगला सके।कहा कि बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संविधान का ही फल है कि आज शीर्ष पायदान पर देश की एक आदिवासी महिला विराजमान है। वहीं चाय बेचने वाला एक साधारण परिवार का व्यक्ति प्रध् ाानमंत्री के रूप में जन सेवा कर रहे हैं। कहा कि बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढ़ने से पहले समाज को जातिविहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षा कवच, कानूनी प्रावध् ाान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। पर कांग्रेस शासन ने कभी महिलाओं के सशक्तिकरण पर ठोस कदम नहीं उठाया। 2014 में भाजपा की सरकार गठन के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की आधी आबादी को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। बाबा साहब के सपनों को पूरा करने के लिए पीएम मोदी ने कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगा दी। जन ध् ान खाता, उज्ज्वला योजना, महिला समृद्धि योजना, आयुष्मान योजना, स्वाधार गृह योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला आरक्षण कानून जैसे अनेक योजनाओं ने देश की आधी आबादी को स्वावलंबी बनाकर देश की आर्थिक प्रगति में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यशाला में जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने बताया कि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के संघर्ष, संविध् ाान निर्माण और कांग्रेस के द्वारा किये गये पिछड़े और शोषित समाज के साथ छल को लेकर जिला मंडल तक आम जनता को जागरूक करने का काम पार्टी करेगी। इस अभियान को भाजपा ने संविधान गौरव अभियान का नाम दिया है। कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री कर्मवीर सिंह एसपी मौर्य संदीप सिंह प्रीतेश दीक्षित, जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी, कार्यालय मंत्री अतुल सिंह मीडिया सह प्रभारी परेश लोहिया, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष वेदराम राजपूत नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई सहित सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

वरिष्ठ प्रबंधनों की टीम ने कार्यपालक प्रशिक्षुओं के साथ किया संवाद

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल ने अपनी वरिष्ठ नेतृत्व टीम के साथ एक प्रेरणादायक संवाद सत्र का आयोजन किया, जिसमें ई. सत्य फणि कुमार, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) के नेतृत्व में ईटी (म्ज)–2023 बैच ष्ष्ष् के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने एनटीपीसी विंध्याचल की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उत्.ष्टता की संस्.ति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गूंजते एनटीपीसी गीत के साथ हुई, जिसने सत्र के लिए एक प्रेरणादायक माहौल तैयार किया। त्रिलोक सिंह, महाप्रबंधक (आर एल आई) ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने कार्यपालक प्रशिक्षुओं को मूल्य निर्माता बनने और एनटीपीसी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने निरंतर सीखने और जानबूझकर अभ्यास की महत्ता को रेखांकित करते हुए कार्यपालक प्रशिक्षुओं को विश्वस्तरीय पेशेवर बनने की प्रेरणा दी।

श्री अरोड़ा ने एनटीपीसी विंध्याचल के ‘लोगों पहले’ .ष्टिकोण पर जोर दिया, जो सतत सफलता और एक प्रमुख कार्यस्थल बनाने के लिए नींव है। उनके विचारों में एनटीपीसी की नीति–आधारित पहलों के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट थी। ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (मेंटेनेन्स और एडीएम) ने एनटीपीसी विंध्याचल में अपने संपूर्ण अनुभव को साझा किया, और कार्यपालक प्रशिक्षुओं को अपनी रुचियों को अन्वेषण करने और जीवनभर सीखने की प्रेरणा दी। इसी तरह, राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (प्रचालन) ने कार्यपालक प्रशिक्षुओं के छात्रों से कॉर्पोरेट पेशेवरों में बदलाव को एनटीपीसी के ऊर्जा क्षेत्र में गतिशील विकास से जोड़ते हुए समझाया।

इस आयोजन की खूबसूरती से मेजबानी थोडेती वैष्णवी और सुरक्षा द्विवेदी ने की, जो ईटी–2023 बैच ष्ष्ष् से हैं। राघवेन्द्र प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई) ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इस आयोजन को आभार और प्रेरणा के साथ समापन किया। यह संवाद सत्र एनटीपीसी विंध्याचल की निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, जिसमें उसने अपनी नई पीढ़ी के नेताओं को सशक्त बनाने और निरंतर विकास और नवाचार के वातावरण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है।

गोंगपा आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

राष्ट्रपति को संबोधित 5 सूत्रीय मांग को लेकर एडीएम को सौंपा ज्ञापन सौंपा

सोनभद्र। गोड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) के आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर विरोध–प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि देश के गृहमंत्री द्वारा 18 दिसंबर 2024 को सदन में भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के बारे में अभद्र वक्तव्य दिया गया है, जिससे सर्व समाज को आघात पहुंचा है। इसलिए गृहमंत्री देश वासियों से मांफी मांगें।

गोंगपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रमाशंकर सिंह पोया व गोंगपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम बिहारी मरकाम ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अंबेडकर के बारे में देश के गृहमंत्री द्वारा अभद्र वक्तव्य सदन में दिया जाना निंदनीय है। गोंगपा के जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने कहा कि ज्ञापन पत्र में देश के गृहमंत्री द्वारा देश वासियों से माफी मांगने, सोनभद्र जिले में पांचवीं अनुसूची लागू किए जाने, वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत दावेदारों को अभिभोग प्रमाण पत्र दिए जाने, किसानों को बिजली–पानी मुत दिए जाने के साथ ही सोनभद्र के बेरोजगार युवाओं को कम्पनियों में नौकरी दिए जाने की मांग शामिल है।

उन्होंने यह भी बताया कि गोंगपा कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए झंडा वैनर के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अंत में महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित अपनी पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन एडीएम न्यायिक को सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम नरेश पोया और संचालन जिला महासचिव रामचंद्र टेकाम ने किया।

विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से हीरालाल मरपची, रामचरित्र नेताम,हीरालाल मरकाम, राजेंद्र सिंह मरपची, कनई चेरो, बिंदु अगरिया,आरके सिंह अर्मो, शिव प्रसाद अर्मो, रामेश्वर उरेटि, रेनु भारती, दिनेश लाल यादव, रामसूरत उड़ाके, श्रीराम टेकाम, रामचंद्र टेकाम, देवा सिंह उड़के,रामकुमार करियाम,अयोध्या प्रसाद टेकाम, सूर्यबली मरपची, सत्यनारायण ,नागेंद्र, श्याम आदि शामिल रहे।

विहिप की सामाजिक समरसता का हुआ जगह जगह स्वागत’

पाली हरदोई।विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान एवं नेतृत्व में चल रही सामाजिक समरसता यात्रा का प्रवेश भरखनी प्रखण्ड के पाली नगर में हुआ। समरसता गोष्ठी का आयोजन मण्डल अध्यक्ष राकेश रंजन जी और शिवम तिवारी ने फूल मालाओं से स्वागत किया। पिहानी के मां ज्वाला देवी आश्रम के महंत हरिहरदास जी महाराज , नाथ संप्रदाय से योगी सतेंद्र नाथ, विहिप के प्रांत समरसता प्रमुख धर्मेंद्र जी, जिला समरसता प्रमुख कृष्ण कुमार , विहिप के जिला कोषाध्यक्ष कौशल जी भाई साहब, बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक महेंद्र जी भाई साहब यात्रा में शामिल रहे। संतो ने सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए कहा कि जाति पांति की करो बिदाई हम सब हिन्दू भाई भाई । ष्विश्व हिन्दू परिषद अवध प्रांत सामाजिक समरसता विभाग के तत्वावधान में पूज्य संतों की गरिमामयी उपस्थिति व उनके मार्गदर्शन में यात्रा संचालित हो रही है।

विहिप के भरखनी प्रखंड अध्यक्ष आलोक कुमार एवं जिला सह संस्कार प्रमुख अजीत प्रताप सिंह भाजपा के मण्डल अध्यक्ष राकेश रंजन , पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवम् तिवारी, निखिल दीक्षित,श्याम मोहन मिश्रा,विनीत तिवारी, श्रीपाल कश्यप, कुलदीप रावत, अजय गुप्ता, अखिलेश्वर त्रिवेदी, उमेश श्रीवास्तव, रामप्रताप रस्तोगी, पप्पू गुप्ता, अजीत गुप्ता, निखिल श्रीवास्तव आदि लोग गोष्ठी में उपस्थित रहे।

एनसीएल मुख्यालय में आयोजित हुई पेंशन अदालत एवं सीएमपीएफ संबंधी त्रिपक्षीय समन्वय बैठक

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) मुख्यालय में बुध् ावार को सीएमपीएफ संबंधी त्रिपक्षीय समन्वय बैठक एवं पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान रीजनल कमिशनर सीएमपीएफ, सिंगरौली, पीयूष कान्त जैन, असिस्टेंट रीजनल कमिशनर (सीएमपीएफ) नवीन निश्चल, विभागाध्यक्ष (सीएमपीएफ), एनसीएल संजय सिन्हा, प्रबन्धक (कार्मिक/सीएमपीएफ), एनसीएल अशोक कुमार त्रिवेणी, मुख्यालय स्तरीय जेसीसी मेम्बर्स, सीएमओएआई प्रतिनिध् ा, सीएमपीएफ कार्यालय की टीम एवं बड़ी संख्या में एनसीएल कर्मी तथा संविदाकर्मी उपस्थित रहे। एनसीएल द्वारा इस त्रिपक्षीय समन्वय बैठक एवं पेंशन अदालत का आयोजन कर्मियों की सीएमपीएफ एवं पेंशन से संबंधित समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी शिकायतकर्ताओं ने सीएमपीएफ एवं पेंशन भुगतान संबंधी समस्याएँ सामने रखीं तथा सीएमपीएफ कार्यालय टीम द्वारा कई समस्याओं का निराकरण किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा समय–समय पर पेंशनभोगियों की शिकायतों के त्वरित निपटान एवं कर्मी कल्याण हेतु ऐसे अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है।

किसानों की समस्या को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र।समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को धान क्रय केंद्र की दुर्व्यवस्था, सहित किसानों की कई समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। सपा के जिला सचिव प्रमोद यादव ने कहा की सोनभद्र के कई हाट शाखा क्रय केंद्र बोरे के अभाव में बंद है। जबकि किसान परेशान है। प्रमोद यादव ने कहा की बिचौलिया किसानों का शोषण कर रहे है। धान क्रय केंद्र पर न पानी की व्यवस्था और न छाया की व्यवस्था किया गया है। शासन प्रशासन भी समस्याओं से कन्नी काट रहा है। भाजपा सरकार केवल किसानों का शोषण कर रही है। भाजपा के विधायक आंख बंद करके बैठे हुए है। पूर्व नगर सचिव मनीष त्रिपाठी और सुरेश अग्रहरी ने कहा की किसान विरोधी है। ये प्रदेश की भाजपा सरकार केवल किसान को परेशान करना है। आज ठंड में किसान आंदोलन के लिए बाध्य है। आज कई हाट शाखा पर पानी की व्यवस्था नहीं कराई गयी है। सपा के कार्यकर्ताओं ने कहा कि जल्द से जल्द किसानों को समस्या को दूर करें। प्रदर्शन के दौरान राजकुमार पटेल सीता राम ने कहा कि आज किसान नौजवान इस सरकार से परेशान है। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से लालचंद कोल,

युवाओं को जबरन किन्नर बना रहा गैंग,कानपुर के अस्पताल में होता है आपरेशन, अतर्रा थाना भी मिला हुआ

बांदा,। जनपद में किन्नर गैंग का आतंक बढ़ता जा रहा है। यह गैंग अब तक आधा दर्जन से ज्यादा युवकों को जबरन किन्नर बना चुका है। गैंग द्वारा युवकों पर किए गए अत्याचार का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। पीड़ित युवकों ने पुलिस के पास पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। इस मामले में समाजसेवी संगठनों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। किन्नर गैंग पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वायरल वीडियो में एक युवक को नंगा करके बाल काटे जा रहे हैं और उसकी बर्बरता से पिटाई हो रही है।यह युवक बिसंडा थाना क्षेत्र का निवासी है। युवक ने किन्नर बनने से इनकार किया था। जिसके बाद गैंग ने उसके साथ मारपीट की। इस गैंग का मुख्य सरगना अतर्रा का किन्नर कैटरीना उर्फ धीरू है। गैंग पहले युवकों को लालच देकर अपने जाल में फंसाता है। उन्हें सुनहरे भविष्य के सपने दिखाकर कानपुर ले जाया जाता है, जहां स्वाति हॉस्पिटल में किन्नर गैंग के एजेंट पीयूष द्विवेदी के जरिए ऑपरेशन कर लिंग परिवर्तन कराया जाता है। युवकों को हार्मोन बदलने की दवाइयां और नशीले इंजेक्शन दिए जाते हैं। ताकि उन्हें पूरी तरह किन्नर बना दिया जाए। पीड़ितों का कहना है कि अतर्रा थाना गैंग के साथ मिला हुआ है। हर शिकायत को दबा दिया जाता है। यह गैंग जबरन वसूली में भी लिप्त है। इसके खिलाफ पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती।वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पीड़ितों से शिकायत दर्ज करने को कहा है। अब यह देखना होगा कि प्रशासन इस गैंग के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है। पीड़ित और समाजसेवी संगठन न्याय की मांग कर रहे हैं।

बिजली चोरी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी जेई सुखपाल सिंह

पाली हरदोई बिजली विभाग क्षेत्र में इस समय बकाया बिल जमा करने के लिए विभाग उपभोक्ताओं को जागरूक करने में जुटा हुआ है समय रहते बिजली बिल जमा हो सके बिजली उपभोक्ताओं को अन्य परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके लिए जेई सुखपाल सिंह ने बताया सोमवार को नसीरपुर में कैंप लगाकर बकाया बिलों का भुगतान लिया गया मंगलवार को रामपुर लाल में बिजली बिल बकाया बिल वसूला गया साथ ही बड़े बकाये दारो के कनेक्शन काटे गए बिजली विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों में खलबली मची हुई है जेई ने कहा बिजली उपभोक्ता समय से बिल का भुगतान करें ज्यादा बिल बकाया होने पर कनेक्शन काट दिया जाएगा साथ ही बिजली चोरी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी

150 छात्र-छात्राओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, दी गई जानकारी

सोनभद्र। पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र में जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह की दिशा निर्देश में समग्र शिक्षा के अंतर्गत ष्भ्मंसजी ब्ंउच वित ैबीववस ैजनकमदजेष हेल्थ कैंप द्वितीय कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्या, नोडल शिक्षिका एवं चिकित्सकों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन से किया गया । हेल्थ कैंप में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संगीता त्रिपाठी, नेत्र विशेषज्ञ डॉ उमकेश तथा दंत चिकित्सक डा० स्नेहा मंजुल मुख्य चिकित्सा अध् ाकारी द्वारा विद्यालय में भेजी गई टीम (फिजियोथैरेपिस्ट करिश्मा, फार्मासिस्ट सुषमा , चिकित्सा अध् ाकारी आयुष) द्वारा कक्षा नौवीं एवं कक्षा दसवीं की करीब 150 छात्र–छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण कैंप में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य से संबंधित आदतों एवं बचावों के प्रति जागरूक किया गया। हेल्थ कैंप में छात्राओं को विद्यालय की तरफ से हेल्थ कार्ड का भी वितरण किया गया। परीक्षण के उपरांत छात्राओं को सूक्ष्म जलपान कराया गया । विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या वन्दना सिंह द्वारा चिकित्सकीय टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर कक्षा नौवीं एवं दसवीं की कक्षाध् यापिकाएं नेहा विश्वकर्मा ,नेहा जाटव, प्रीती एवं प्राची गुप्ता उपस्थित रहीं।

सर्दी ने तोड़ा पिछले 10 साल का रिकार्ड,अब तक दो की हो चुकी मौत, प्रशासनिक कवायदें नाकाफी

बांदा,। जनपद में इन दिनों शीत लहर ने अपने विकराल रूप में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले एक हफ्ते से यहां सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए और पूरा जनपद कोहरे की चादर में लिपटा हुआ है। तापमान में लगातार गिरावट और तेज शीत लहर से लोग बेहाल हैं, और इस ठंड से बचाव के लिए किये गए जिला प्रशासन के उपाय भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। जिले में रात का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है, जो सामान्य से चार डिग्री कम है। दिन में अधिकतम तापमान बारह डिग्री सेल्सियस तक पहुंचकर ठहरा हुआ है, जो सामान्य से आठ डिग्री कम है। तेज शीत लहर की गति 8 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक है, और इसके चलते लोग सर्दी से कांप रहे हैं। इसके अलावा, कोहरे की घनी चादर बांदा में ओस की फुहार से स्थिति को और अधिक जटिल बना रही है।

बैठक 15 जनवरी को

सोनभद्र। अधिशासी अभियन्ता एवं सचिव सिंचाई बन्धु सोनभद्र ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र की सिंचाई बन्धु की बैठक प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित की जाती है। माह जनवरी,2025 की सिंचाई बन्धु की बैठक 15 जनवरी,2025 को चौधरी चरण सिंह निरीक्षण गृह बढ़ौली राबर्ट्सगंज में पूर्वान्ह 11.00 बजे से 02.00 बजे तक उपाध्यक्ष सिंचाई बन्धु लाल बहादुर पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। उन्होंने बैठक में .षकों की समस्याओं के गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण हेतु जन प्रतिनिधिगण एवं सम्बन्धित अधिकारीगण की उपस्थिति हेतु अपील की है।

सांस्कृतिक परम्पराओं के चलते पूरे विश्व में अपना विशेष स्थान बनाता भारत

çºykn lcukuh A

gky gh e lEiUu g, fookgk d ekle e Hkkjrh; ifjokjk }kjk fd, x, [kpl d pyr vc ,lh mEehn dh tk jgh g fd foÙkh; o"k 2024&25 dh rrh; frekgh e ldy ?kjyw mRikn e of) nj dk xfr feyxh tk f}rh; frekgh e fxjdj 5-2 çfr'kr d Lrj ij vk xbl FkhA

vkfFkd {k= e çxfr dh –f'V l Hkkjr dh viuh fo'k"krk, g] tk vU; n'kk e ugh fn[kkbl nrh gA mnkgj.k d fy, Hkkjr e vk;kftr gku oky /kkfed vk;ktuk ,o eyk vkfn e Hkkx yu oky J)kyvk }kjk u doy vk/;kfRed –f'V l bu eyk/ dk;Øek e Hkkx fy;k tkrk g cfYd bu J)kyvk }kjk bu LFkkuk ij fd; tku oky [kpl l LFkkuh; Lrj ij 0;kikj dk c<kok nu ,o jktxkj d yk[kk u, volj fufer dju e Hkh viuk ;kxnku fn;k tkrk gA blh çdkj] /kkfed i;Vu Hkh doy Hkkjr dh fo'k"krk gA çfro"k djkMk ifjokj /kkfed LFkyk ij] fo'k"k egjrk ij] itk vpuk dju d fy, bdëk gkr gA tEe e ekrk o".kknoh efnj] okjk.klh e Hkxoku Hkkyukfk efnj] v;k/;k e çHk Jhjke efnj] mTtu e ckck egkdky efnj] nf{k.k e fr#ifr ckykth efnj vkfn ,l J)kLFky g tgk ij o"k Hkj gh J)kyvk dk rkrk yxk jgrk gA çR;d 3 o"kk d vrjky ij vk;kftr gku oky dEHk d eyk e Hkh djkMk dh l[;k e J)kyw b'oj dh itk vpuk gr ç;kxjkt] gfj}kj] ukfld ,o mTtu e igprs gA 'kh?k gh] 14 tuojh 2025 l ydj 26 Qjojh 2025 rd ç;kxjkt e egkdEHk eyk dk vk;ktu fd;k tk jgk gA egkdEHk dh 44 fnuk dh bl bl ijh vof/k e çfrfnu ,d djkM J)kyvk d Hkkjr ,o vU; n'kk l ç;kxjkt igpu dh lEHkkouk 0;ä dh tk jgh g] bl çdkj] dy feykdj yxHkx 45 djkM l vf/kd J)kyx.k mä 44 fnuk dh vof/k e ç;kxjkt igpxA djkMk dh l[;k e igpu oky bu J)kyx.kk }kjk bu rhFkLFkyk ij vPNh [kklh ek=k e [kpl Hkh fd;k tkrk gA ftll fo'k"k :i l LFkkuh; vFk0;oLFkk dk rk cy feyrk gh g] lkFk gh djkMk dh l[;k e n'k e jktxkj d u, volj Hkh fufer gkr g ,o gkVy m|kx] ;krk;kr m|kx] i;Vu l tM 0;olk;] LFkkuh; Lrj d NkV NkV m|kx ,o fofHkUu mRiknk d {k= e dk;l dj jg 0;kikfj;k d 0;olk; e Hkh vrgyuh; of) gkrh fn[kkbl nrh gA blh çdkj] Hkkjr e fookgk d ekle e lEiUu gku oky fookgk ij fd, tku oky Hkkjh Hkjde [kpl l Hkh Hkkjrh; vFk0;oLFkk dk cy feyrk gA o"k 2024 d] e/; uoEcj l e/; fnlEcj d chp] Hkkjr e 50 yk[k fookg lEiUu g, gA mä ,d ekg dh vof/k d nkjku lEiUu g, bu fookgk ij Hkkjrh; ifjokjk }kjk 7]000 djkM vefjdh M,yj dh jkf'k dk [kpl fd;k x;k gA tcfd fiNy o"k blh vof/k e lEiUu g, fookgk ij 5]500 djkM vefjdh M,yj dh jkf'k dk [kpl fd;k x;k FkkA mä of.kr 50 yk[k fookgk ij vklru çfr fookg 14]000 M,yj] vFkkr yxHkx 13 yk[k #i, dh jkf'k dk [kpl fd;k x;k g ,o 50]000 fookgk ij rk ,d djkM #i, l vf/kd dh jkf'k dk [kpl fd;k x;k gA Hkkjr e çfr fookg gku okyk vklr [kpl] ifjokj dh vklr çfro"k dh dy vk; dk rhu x.kk ,o n'k e vklr çfr 0;fä ldy ?kjyw mRikn d 5 x.kk d cjkcj jgrk gA Hkkjr e fookgk ij ij o"k e dy 13]000 djkM vefjdh M,yj dk [kpl fd;k tkrk g tk phu d ckn nlj LFkku ij gA phu e çfro"k fookgk ij 17]800 djkM vefjdh M,yj dk [kpl fd;k tkrk gA ,lh mEehn dh tk jgh g fd vkxkeh o"k e Hkkjr] fookgk ij fd, tku oky [kpl dh –f'V l] phu dk ihN NkMdj ij fo'o e çFke LFkku ij vk tk,xkA Hkkjr e çfr o"k ,d djkM fookg lEiUu gkr gA Hkkjr e lfn;k d ekle dk fookgk dk ekle dgk tk; rk dkbl vfr'k;kfä ugh g D;kfd ij o"k Hkj e lEiUu gku oky fookgk e l yxHkx 50 çfr'kr fookg lfn;k d ekle e gh lEiUu gkr gA Hkkjr e fookgk ij gku oky Hkkjh Hkjde jkf'k d dy [kpl e l çhofMx QkVkxkQh] ofMx QkVkxkQh] ikLVofMx QkVkxkQh ij yxHkx 10 çfr'kr dh jkf'k dk [kpl fd;k tkrk gA fookg d LFkku d p;u ,o lkt lTtk ij o"k 2023 e 18 çfr'kr dh jkf'k dk [kpl fd;k x;k Fkk] tk o"k 2024 e c<dj 26 çfr'kr gk x;k g D;kfd Hkkjrh; ifjokjk }kjk fookg vc vU; 'kgjk ;Fkk xkok] i"dj] mn;ij ,o djyk tl LFkkuk ij lEiUu fd;k tk jg gA [kkuiku vkfn ij dy [kpl dk yxHkx 10 çfr'kr Hkkx [kpl fd;k tk jgk gA E;ftd vkfn ij yxHkx 6 çfr'kr dh jkf'k dk [kpl fd;k tk jgk gA blh çdkj] Toyjh] v,Vk cktkj ,o lk'ky ehfM;k vkfn ij Hkh vPNh [kklh jkf'k dk [kpl fd;k tkrk gA bl l] mä leLr {k=k e jktxkj d yk[kk u, volj fufer gkr gA vr% Hkkjr e fookgk d ekle e gku oky Hkkjh Hkjde jkf'k d [kpl l n'k d ldy ?kjyw mRikn e of) nj dk rt djus e lgk;rk feyrh gA gky gh e lEiUu g, fookgk d ekle e Hkkjrh; ifjokjk }kjk fd, x, [kpl d pyr vc ,lh mEehn dh tk jgh g fd foÙkh; o"k 2024&25 dh rrh; frekgh e ldy ?kjyw mRikn e of) nj dk xfr feyxh tk f}rh; frekgh e fxjdj 5-2 çfr'kr d Lrj ij vk xbl FkhA fofuek.k {k= ,o lok {k= e fodkl nj vf/kd jgu dh lEHkkouk 0;ä dh tk jgh gA cXykn'k e jktufrd vfLFkjrk d pyr jMheM xkeV l d {k= e fofuek.k bdkb;k cn gk jgh g ,o of'od Lrj ij jMheM xeV l d {k= e dk;jr lIykb pku dh bdkb;k ckXykn'k d LFkku ij vc Hkkjr l fu;kr dk çkRlkfgr dj jgh gA ftll Hkkjr e jMheM xeV l ,o QVoh;j m|kx e dk;jr bdkb;k dk bu mRiknk dk vU; n'kk dk fu;kr dju d v,Mj yxkrkj c< jg gA mä dkjdk d pyr Hkkjr e ijpflx eU;QDpfjx bMDl uoEcj 2024 ekg d 58-6 l c<dj orleku e 60-7 gk x;k gA bl bMDl d Åij tku dk vk'; ;g g fd fofuek.k d {k= e xfrfof/k;k e xfr vk jgh gA bl d lkFk gh miHkkä eY; lpdkd Hkh 6-21 çfr'kr l ?kVdj 5-48 çfr'kr ij uhp vk x;k g] vFkkr] miHkkä eY; lpdkd vk/kkfjr eæk LQhfr dh nj Hkh fu;=.k e vk jgh gA ftll vkx vku oky le; e ukxfjdk dh [kpl dju dh {kerk e of) gkxhA gky gh d o"kk e fofuek.k m|kx] lok {k= ,o fxx vFk0;oLFkk e jktxkj d djkMk u, volj fufer g, g vkj o"k 2005 d ckn l bl o"k fofHkUu dEifu;k }kjk lcl vf/kd ubl Hkfr;k] fjdkM Lrj ij] dh xbl gA bl lcd lkFk gh] Hkkjrh; fjtoc cd }kjk Qjojh 2025 ekg e ekuVjh i,fylh e jik nj e deh fd, tku dh çcy lEHkkouk curh fn[kkbl n jgh g D;kfd miHkkä eY; lpdkd vk/kkfjr eæk LQhfr dh nj vc fu;=.k e vk jgh gA bl o"k Hkkjr e ekulu dk ekle Hkh cgr vPNk jgk g ,o fofHkUu Qlyk dh cvkbl fjdkM Lrj ij gbl g ftll bu Qlyk dh inkokj Hkh fjdkM Lrj ij gku dh lEHkkouk gA fdlkuk d gkFk e vf/kd ilk vk,xk ,o mud }kjk fofHkUu mRiknk dh [kjhn ij Hkh vf/kd jkf'k dk [kpl fd;k tk,xkA dy feykdj] bu leLr dkjdk dk ldkjkRed çHkko Hkkjrh; vFk0;oLFkk ij gku tk jgk g vkj foÙkh; o"k 2024&25 dh rhljh ,o pkFkh frekgh e ldy ?kjyw mRikn e of) nj d rt jgu dh çcy lEHkkouk 0;ä dh tk jgh gA

सम्पादकीय

विकसित भारत बनाने की यात्रा आगे बढ़ेगी

विधायी कामकाज के दृष्टिकोण से वर्ष 2025 बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। यह एक बड़े चुनावी वर्ष यानी सुपर इलेक्शन ईयर के बाद का साल है।ज् केंद्र और राज्य सरकारों को एक बड़ा अंतराल विधायी और प्रशासनिक कार्यों के लिए मिल रहा है। ऐसी संभावना है कि इस अवधि में अनेक लम्बित विधायी कार्यों का निपटारा किया जाएगा। संसद में दो विधेयक संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के समक्ष हैं। जेपीसी वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव के लिए लाए गए विधेयक पर विचार कर रही है दूसरी जेपीसी बनी श्एक देश, एक चुनावश् के महत्वाकांक्षी कानून पर विचार करेगी।

नव वर्ष 2025 की संभावनाओं का आकलन कई पहलुओं से किया जा रहा है। हर व्यक्ति के मन में यह सवाल उठ रहा है कि 2025 में भारत कैसा होगा? भारत की अर्थव्यवस्था कैसी होगी? राजनीति के क्षेत्र क्या गतिविधियां होंगी? कौन कौन से विधायी कार्य लम्बित हैं, जिन्हें पूरा किया जाएगा? विपक्ष क्या वैसे ही राजनीति करता रहेगा, जैसे अभी कर रहा है? सनातनधर्मियों की ओर से सभ्यतागत न्याय सुनिश्चित करने के लिए जो पहल की जा रही है क्या वह जारी रह पाएगी? 12 वर्षों के बाद हो रहे महाकुंभ का क्या संदेश देशवासियों के लिए होगा? वैश्विक पटल पर भारत की क्या स्थिति होगी? विश्व में युद्ध और तनाव का जो दौर चल रहा है वह 140 करोड़ भारतवासियों को कैसे प्रभावित करेगा और आम नागरिक का जीवन कैसा होगा? इनके अलावा भी निश्चित रूप से कुछ और प्रश्न होंगे, जिनके उत्तर की खोज किसी न किसी रूप में हो रही होगी।

इन समस्त प्रश्नों के बीच अगर एक वाक्य में 2025 की संभावनाओं का आकलन बताना हो तो कहा जा सकता है कि नव वर्ष सांगठनिक, विधायी और आर्थिक उपलब्धियों का वर्ष होगा। जब हम संगठन की बात करते हैं तो उसमें तमाम राजनीतिक दलों और सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक संगठन आ जाते हैं। यह वर्ष राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ का शताब्दी वर्ष है। संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ एक सांस्कृतिक संगठन है, जिसने पिछले एक सौ साल में भारत की संस्कृति और ध र्म के रक्षण का कार्य कुशलतापूर्वक किया है। 12 वर्ष के बाद महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में हो रहा है, जहां देश के तमाम धार्मिक संगठन और अखाड़े एकत्र हो रहे हैं। सनातन धर्म से जुड़े समस्त संगठनों के लिए कोई नया दिशा निर्देश महाकुंभ से निकलेगा, ऐसी संभावना जताई जा रही है। राजनीतिक दलों की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी को नया अध्यक्ष मिलना है। अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री के लक्ष्मण की अध्यक्षता वाली कमेटी चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने कर्नाटक के बेलगावी में कार्य समिति की विशेष बैठक में संकेत दिया कि संगठन में इस वर्ष बदलाव किए जाएंगे।

विधायी कामकाज के दृष्टिकोण से वर्ष 2025 बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। यह एक बड़े चुनावी वर्ष यानी सुपर इलेक्शन ईयर के बाद का साल है। पिछले साल यानी 2024 में पूरे साल चुनाव होते रहे थे। पहले लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए और उसके बाद चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए। यानी 2024 लोकसभा और आठ राज्यों के चुनाव का वर्ष था। वह सिर्फ भारत के लिए बड़ा चुनावी वर्ष नहीं था। दुनिया के महाशक्ति देशों में भी पिछले वर्ष चुनाव हुए। अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव हुआ तो ब्रिटेन और फ्रांस में संसद का चुनाव हुआ। कह सकते हैं कि 2024 में पूरा विश्व ही चुनाव में व्यस्त रहा था। नव वर्ष 2025 में भारत में सिर्फ दो राज्यों के चुनाव हैं। साल के आरंभ में दिल्ली का विधानसभा चुनाव है और वर्ष के अंत में बिहार का चुनाव है। इसके बीच केंद्र और राज्य सरकारों को एक बड़ा अंतराल विधायी और प्रशासनिक कार्यों के लिए मिल रहा है।

ऐसी संभावना है कि इस अवधि में अनेक लम्बित विधायी कार्यों का निपटारा किया जाएगा। संसद में दो विधेयक संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के समक्ष हैं। श्री जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव के लिए लाए गए विधेयक पर विचार कर रही है तो श्री पीपी चौधरी की अध्यक्षता में एक नई जेपीसी बनी है, जो श्एक देश, एक चुनावश् के महत्वाकांक्षी कानून के लिए लाए गए विधेयक पर विचार करेगी। इस जेपीसी का स्वरूप सामान्य से बड़ा है। इसमें 39 सदस्यों को रखा गया है। राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से ये दोनों विधेयक बहुत अहम हैं। ध्यान रहे वर्तमान वक्फ बोर्ड कानून अनेक संवैधानिक प्रावधानों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। यह एक समुदाय विशेष का तुष्टिकरण करने वाला कानून है। इसलिए उसे तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। परंतु विपक्षी पार्टियों की तुष्टिकरण की राजनीति की वजह से उस प्रक्रिया में देरी हो रही है। इसके बावजूद उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2025 में इस कानून में संशोधन हो जाएगा।ऐसे ही श्एक देश, एक चुनावश् का विध ेयक राष्ट्र की एकता, अखंडता के साथ साथ प्रशासनिक कुशलता और खर्च में कटौती के लिए भी आवश्यक है। इसे पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की अनुशंसाओं के आध ार पर तैयार किया गया है। देश की ज्यादातर पार्टियां इसका समर्थन करती हैं। परंतु विपक्षी पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं और इसके रास्ते में बाधा डाल रही हैं। उनको लग रहा है कि उनकी जोड़तोड़ की राजनीति इससे कमजोर होगी। धर्म, जाति और क्षेत्र के आधार पर विभाजन कराने की उनकी राजनीति इससे विफल हो जाएगी और तुष्टिकरण की राजनीति पर पूर्णविराम लग जाएगा। सरकार इस कानून को लेकर प्रतिबद्ध है। परंतु साथ ही वह चाहती है यह कानून सबकी सहमति से अस्तित्व में आए। इसलिए उसने विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति में भेजा और लगभग सभी महत्वपूर्ण पार्टियों के सांसदों को उसमें जगह दी। संयुक्त संसदीय समिति सभी पार्टियों के साथ साथ चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी संबंधित पक्षों से विचार विमर्श करेगी और साथ ही आम नागरिकों से भी राय लेगी। उसके बाद यह विधेयक संसद में पेश किया जाएगा। उम्मीद करनी चाहिए कि नव वर्ष 2025 में यह विधेयक पास होकर कानून बनेगा। इसके साथ ही इस वर्ष जनगणना का कार्य शुरू होना है और उसके बाद परिसीमन के साथ महिला आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त होना है।

युद्ध एवं आतंक से जूझती दुनिया में शांति का उजाला हो

ललित गर्ग ।

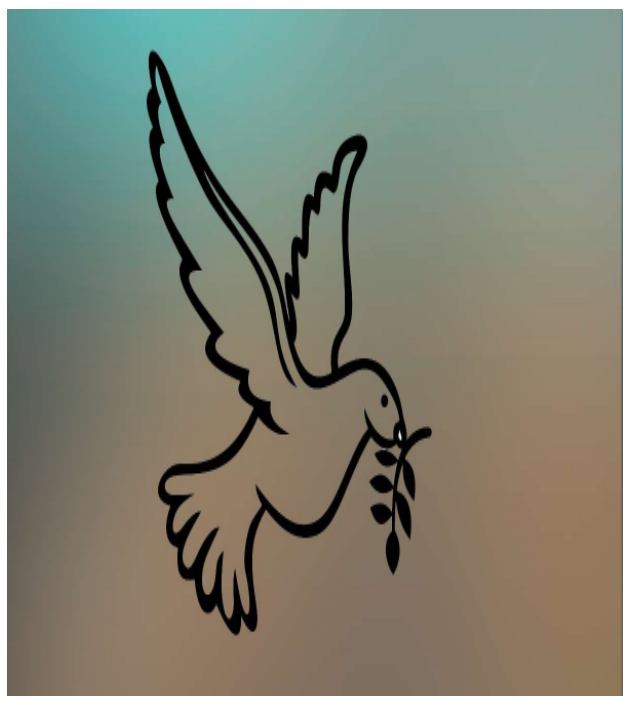

बात केवल अमेरिका में हुए इस आतंकी हमले की नहीं है। समूची दुनिया युद्ध और शांति, आतंक एवं आनन्द, हिंसा और अहिंसा, भय और अभय के बीच झूलस रही है। दुनिया में कई सत्ताएं युद्धरत हैं, जबकि ज्यादातर लोग शांति चाहते हैं।नव वर्ष 2025 की शुरुआत दुनिया के लिए शांति, अमनचौन, अयुद्ध और समृद्धि का वर्ष बनने की कामना के साथ हुई लेकिन अमेरिका में नए साल के पहले ही दिन हुए आतंकी ट्रक अटैक में 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले ने शांति एवं अमनचौन के दुनिया के मनसूंबों पर पानी फेर दिया। न्यू ऑरलियन्स में हुए इस आतंकी हमले को 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार ने अंजाम दिया, जिसे इस्लामिक स्टेट–आईएसआईएस समर्थक माना जा रहा है क्योंकि उसकी गाड़ी से इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े कुछ दस्तावेज मिले हैं। इस हमले की जांच 'आतंकवादी कृत्य' के रूप में कर रहे हैं। जब्बार पुलिस की गोलीबारी में मारा गया।बात केवल अमेरिका में हुए इस आतंकी हमले की नहीं है। समूची दुनिया युद्ध और शांति, आतंक एवं आनन्द, हिंसा और अहिंसा, भय और अभय के बीच झूलस रही है। दुनिया में कई सत्ताएं युद्धरत हैं, जबकि ज्यादातर लोग शांति चाहते हैं। अजीब अंतर्विरोध एवं विरोधाभास देखने को मिल रहा है। शांति का मतलब सिर्फ युद्ध का अभाव नहीं होता, बल्कि एक ऐसा वातावरण होता है जहां गतिशील, मजबूत, सौहार्दपूर्ण और संपन्न समाज का निर्माण होता है। ऐसे समाजों में मानव क्षमता का अधिकाधिक इस्तेमाल होता है और जीवन शांति एवं सहजीवन के रूप में व्यतीत होता है। विडम्बना देखिये कि ज्यादातर लोग शांति, अमन–चौन चाहते हैं फिर भी युद्ध प्रेमी सत्ताएं व्यापक जन–समर्थन हासिल करती जा रही है।विश्व में उथल पुथल कई मोर्चों पर चली रहती है जिस पर दुनिया का ध्यान आकर्षित होता रहता है। साथ में ही इसका प्रभाव शेष विश्व पर भी पड़ता है, लेकिन विश्व में शांति के लिए संघर्ष जिस बड़े पैमाने पर हो रहे हैं युद्ध एवं आतंक भी उससे बड़े पैमाने पर पनप रहे हैं। इस समय कम से कम दो लंबे युद्ध चल रहे हैं। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को तीन साल होने वाले हैं, जबकि गाजा और इस्राइल के युद्ध को भी एक साल से ज्यादा का समय हो चुका है। संसार लगभग चुपचाप, लाचार यह नरसंहार देख रहा है। युद्ध में केवल बर्बरता, लाशें, आग, मलबा और रॉकेट दिख रहे हैं। लोग बेबस हैं, बच्चे अचंभित हैं, औरतों के साथ बर्बरता हो रही है। फिर भी, इन युद्धों को रोकने की कोई सार्थक एवं प्रभावी पहल नहीं हो रही। क्या संसार ने युद्ध की अनिवार्यता और शांति की असंभावना को स्वीकार कर लिया है?

पूरा विश्व इस बीच दो गुटों में बंट चुका है। कुछ देश शांति का समर्थन कर रहे है तो कुछ मौन होकर युद्ध की अनिवार्यता को स्वीकार रहे हैं। लेकिन युद्ध के मुख्य किरदार एक–दूसरे के अस्तित्व को ही मिटाने की जिद्द में गोला–बारूद दाग रहे हैं। मानो एक–दूसरे का नामोनिशान ही मिटा देंगे, लेकिन इस बीच खुद को बचाने के लिए कुछ लोग बंकरों में छिप रहे हैं तो कुछ मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्ध के मैदान में लड़ रहे हैं। युद्ध किसी का भी हो, जख्म बच्चों, महिलाओं एवं निर्दोषों को ही ज्यादा मिलते हैं। युद्ध दो देशों के बीच भले हो, लेकिन इससे समूचा विश्व आहत है, प्रभावित है। इतने व्यापक विनाश, क्रूरता, हिंसा की संसार अनदेखी कैसे कर रहा है, यह प्रश्न मानव के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा होकर भी इतना सून कैसे हैं?

वैसे युद्ध एवं आतंकवाद किसी भी देश के लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होता है क्योंकि उसमें जीत–हार तो बाद की बात है, पहले इसमें मानवता को हानि और क्षति होती है। इसलिए युद्ध एवं आतंक न केवल मृत्यु और विनाश का कारण बनते हैं, बल्कि स्थायी शारीरिक और मानसिक विक्षिप्तता का कारण बनते हैं, विकास का अवरोध होता है, पर्यावरण–विनाश का कारण होता है। इक्कीसवीं सदी अपनी निष्ठुरता, अमानवीयता एवं क्रूरता में इतना बेमिसाल और अभूतपूर्व होगी, ऐसी उम्मीद शायद ही किसी ने की हो। शांति की तलाश में लगी दुनिया के लिये युद्ध इतने अनिवार्य कैसे हो गये, यह एक गंभीर प्रश्न है।

पृथ्वी पर जीवन अनमोल और अद्वितीय है। तार्किक रूप से, हम अपनी सभ्यता की प्रगति के ऐसे चरण में हैं कि हमें युद्धों के निहितार्थों को जानना चाहिए और उन्हें होने ही नहीं देना चाहिए। युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता है क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को परिणाम भुगतना पड़ता है जिसमें अक्सर दोनों पक्षों के हताहतों की संख्या अधिक होती है। यह समय मानवता के दुष्काल एवं आपातकाल का समय है, जिसमें युद्धरत होते देशों को मानवीय मूल्यों से हाथ धोना पड़ता है। उन देशों की तो क्षति होती ही है, इसका असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है, चाहे वह आर्थिक तौर पर हो, राजनीतिक, सामाजिक या नैतिक तौर पर हो, युद्धों से होने वाली क्षति की कभी भी भरपाई नहीं हो पाती। सारे संसार में जिस तरह लोकतंत्र का हरण और पूंजीवाद का उत्कर्ष हो रहा है, उसमें शांति के लिए प्रयास धुंधले पड़ रहे हैं। युद्ध चाहे कोई भी हो, कौनसा भी हो, लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक राजनीति, समाजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है, केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है, इसका उदाहरण यूक्रेन–रूस तथा इजरायल–हमास युद्ध के परिणामों से विश्व मानवता पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से आंकना होगा। यह जंग सिर्फ अब रॉकेट और मिसाइल के दम पर नहीं लड़ी जा रही है, बल्कि यह जंग साइबर वर्ल्ड में भी पहुंच चुकी है, जो अधिक घातक है।

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब कोई जंग असल दुनिया से लेकर साइबर वर्ल्ड तक पहुंची हो। यूक्रेन और रूस के युद्ध में भी हमने साइबर अटैक के कई मामले देखे हैं। ऐसा ही कुछ हमास और इजरायल के बीच होता दिख रहा है। हाल में हमास ने इजरायल पर अचानक हमला किया। इस हमले में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। इनमें सैनिकों से लेकर आम आदमी तक सभी शामिल हैं। उनके ऊपर कई साइबर अटैक हुए हैं। फोन ऐप को टार्गेट किया गया। इसके अलावा कई दूसरे मामले भी देखने को मिले हैं। इजरायल का रेड अलर्ट फोन ऐप सिस्टम भी साइबर अटैक का शिकार हुआ है। इस ऐप की मदद से इजरायल में रॉकेट और मिसाइल हमले के वक्त रियल टाइम अलर्ट मिलता है। ये चीजें बताती हैं कि जंग का अंजाम कितना घातक होता है।

अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा भी बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति–संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। इसलिये दुनिया अब युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहती है। दुर्भाग्य को मिटाकर सौभाग्य का उजाला करना होगा, जिसमें मानवीय संबंध, संवाद, सहकार, टीवी चौनल, सिनेमा, त्योहार, साहित्य, कलाएं– सभी शांति की विधाएं बनने लगे। नववर्ष में इसकी सार्थक शुरुआत हो एवं नये शांति के सूरज का अभ्युदय हो।

पीके ने चखा सियासत का स्वाद

pनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने राजनीति का स्वाद चखना शुरू कर दिया है। बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं परीक्षा को रद्द करवाने की मांग को लेकर वह छात्र आंदोलन से खुद को जोड़ना चाहते हैं। जन सुराज पार्टी के संस्थापक पीके को पटना पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोप तो यह भी है कि पुलिस वालों ने उनको थप्पड़ मारा। वह अनशन कर रहे थे। पुलिस ने सिविल कोर्ट में पेश किया जहां से 25 हजार के निजी मुचलके पर सशर्त जमानत दी गयी। प्रशांत किशोर ने कहा कि वह सशर्त जमानत नहीं लेंगे। अदालत ने जमानत देते हुए शर्त रखी थी कि भविष्य में इस तरह का अपराध दोबारा नहीं करेंगे। प्रशांत किशोर बेल बांड भरने को तैयार नहीं थे। बताया जा रहा है कि पीके को 6 जनवरी सुबह साढ़े तीन बजे गिरफ्तार किया गया। उस समय प्रशांत किशोर अपने समर्थकों के साथ धरना स्थल पर सो रहे थे। प्रशांत किशोर को अब राजनीति का असली स्वाद मिल रहा होगा क्योंकि अब तक वह दामादों की तरह खातिरदारी करवाते रहे हैं। बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं और प्रशांत किशोर का यह संघर्ष उसकी पहली कड़ी है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार कहते हैं कि प्रशांत किशोर जिस जगह धरना दे रहे थे, वह प्रतिबंधित क्षेत्र है। फिलहाल, प्रशांत किशोर को बिना शर्त जमानत पर रिहा किया गया। अगले दिन 7 जनवरी को उनकी तबियत खराब होने पर मेदांता अस्पताल में भी कराया गया। उन्होंने कहा मेरा आमरण अनशन जारी रहेगा।प्रशांत किशोर 2 जनवरी से आमरण अनशन कर रहे हैं। पीके के अधिवक्ता ने बताया कि 25000 के निजी मुचलके पर प्रशांत किशोर को बेल मिली थी। प्रशांत किशोर ने कहा मुझे कंडीशनल बेल नहीं चाहिए। एसडीजेएम आरती उपाध्याय के न्यायालय ने कंडीशनल बेल दिया। साफ तौर पर कहा कि आगे से ऐसा कोई भी काम नहीं करेंगे, जिसकी वजह से आम लोगों को दोबारा परेशानियों का सामना करना पड़े। इस शर्त के साथ बेल बॉन्ड नहीं भरने पर पीके अड़े रहे। बता दें कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के गांधी मैदान मेंआमरण अनशन पर बैठे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को 6 जनवरी सुबह गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिसकर्मियों ने उन्हें और उनके समर्थकों को धरना स्थल से हटा दिया था। किशोर के समर्थकों के अनुसार, पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए पटना के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले गई थी। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने बताया, "हां, गांधी मैदान में धरने पर बैठे किशोर और उनके समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि उनका धरना "गैरकानूनी" था क्योंकि वे प्रतिबंधित स्थल के पास धरना दे रहे थे। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि किशोर गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास स्थित प्रतिबंधित स्थल पर प्रदर्शन कर रहे थे जिसके कारण पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। अभ्यर्थी, बीपीएससपी द्वारा 13 दिसंबर को आयोजित की गई परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों के समर्थन में किशोर ने दो जनवरी को आमरण अनशन शुरू किया था।बीपीएससी के खिलाफ बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर को पुलिस गिरफ्तार करके ले गई। इस दौरान गांधी मैदान में जमकर बवाल हुआ। रात को ही गांधी मैदान को खाली करा दिया गया था। इस बीच जन सुराज पार्टी ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी करने के दौरान पुलिस ने प्रशांत किशोर को थप्पड़ मारा है, जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। वहीं, पीके की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पुलिस पीके को गिरफ्तार करके चेकअप के लिए एम्स ले गई। वहीं उनके समर्थक भी पहुंचे हुए। प्रशांत किशोर पर प्रतिबंधित क्षेत्र में आंदोलन, सरकारी काम में बाधा समेत कई तरह के आरोप है। प्रशांत किशोर के खिलाफ गांधी मैदान थाने में दो केस दर्ज किए गए हैं।बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) 70वीं पीटी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर को पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर सिविल कोर्ट में पेश किया। एम्स के बाहर जन सुराज समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। दूसरी ओर, बीपीएससी परीक्षा के मुद्दे पर महागठबंधन ने बिहार में प्रतिरोध मार्च निकालने का ऐलान किया है। आरजेडी समेत सहयोगी दलों की छात्र इकाइयों के नेता सभी जिलों में प्रदर्शन करेंगे। इस पर विपक्षी दल भी पीके के खिलाफ खड़े हैं।बीपीएससी ने 13 दिसंबर को 70वीं प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया था। इसमें धांधली के आरोप लगाकर अभ्यर्थियों ने पटना

के गर्दनीबाग में धरना शुरू किया। इसके बाद दो बार प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज हुआ और इस मामले ने सियासी तूल पकड़ लिया। पीके से लेकर तेजस्वी यादव, पप्पू यादव समेत सभी विपक्षी नेता अभ्यर्थियों के समर्थन में उतर आए। पीके ने कहा कि वह जेल जाने को तैयार हैं। वह अपना अनशन नहीं खत्म करेंगे। प्रशांत किशोर का कहना है कि धरना प्रदर्शन करना उनका अधिकार है। पटना के डीएम चंद्रशेखर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रशांत किशोर के गांधी मैदान में अनशन के दौरान 43 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 30 लोगों की पहचान की गई है, जिनमें से 5–6 लोग ही पटना से हैं। कई लोग बिहार से बाहर के हैं। यूपी और दिल्ली के लोग भी गांधी मैदान में थे। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की तबीयत मंगलवार को अचानक से बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया है। प्रशांत किशोर की तबीयत खराब होने के बाद मेदांता अस्पताल डॉक्टर अजीत प्रधान अपनी टीम और एंबुलेंस के साथ प्रशांत किशोर के घर शेखपुरा हाउस पहुंचे थे।

10 जनवरी तक यातायात पुलिस की चलेगी गांधीगिरी फिर होंगी सघन चेकिंग

सुल्तानपुर। यातायात पुलिस नगर क्षेत्र में नियम विरुद्ध चलने वाले वाहन चालको से नियम से चलने की अपील के साथ ही उन्हें पुष्प देकर गांधीगीरी करते हुए यातायात नियम का पालन करने और सुरक्षित यात्रा का मंत्र दिया। बीते तीन दिनों से यातायात निरीक्षक राम निरंजन दलबल के साथ नगर के रोडवेज, कलेक्ट्रेट के सामने लखनऊ रोड़ अमहट आदि स्थानों पर वाहन चालक को पुष्प देते दिखाई दे रहे है। बीती शाम रोडवेज स्थित ट्रैफिक इंस्पेक्टर राम निरंजन, यातायात उप निरीक्षक नरेंद्र बहादुर सिंह टीएसआई जयप्रकाश, मेजर बेलाल अहमद मय हमराही के दो व चार चक्का वाहन चालक को रोककर उन्हें सुगम व सुलभ यातायात के लिए ट्रैफिक नियम का पालन करने की अपील करते हुए पुष्प भेंट किया। इंस्पेक्टर राम निरंजन ने बताया कि 10जनवरी तक अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करगें। 11जनवरी से सघन जांच–पड़ताल अभियान चलेगा, जिसमें हेल्मेट, शीटबेल्ट, काली फिल्म और वाहन के आवश्यक दस्तावेज जांचे जाएगें। यदि वाहन से संबंधित डाक्यूमेंट मांगने पर नही दिखाए जाएगे तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यातायात निरीक्षक राम निरंजन ने कहाकि पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए है, हम चाहते है कि आपकी यात्रा आपके गंतव्य तक सुगमता के साथ हो, आप जब यात्रा पर निकले तो आपके पास वाहन से संबंधित कागजात हो, जिससे आपकी यात्रा में विघ्न न उत्पन्न हो।

खण्ड शिक्षा अधिकारी दूबेपुर से मिला - प्राथमिक शिक्षक संघ

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ दूबेपुर (सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ) का प्रतिनिधि मंडल मांडलिक मंत्री अयोध्या शमीम अहमद एवं ब्लॉक अध्यक्ष दूबेपुरध् जिला उपाध्यक्ष रमेश तिवारी के संयुक्त नेतृत्व में खण्ड शिक्षा अधिकारी दूबेपुर राम तीर्थ वर्मा से

नववर्ष पर शिष्टाचार मुलाकात कर शुभकामनाएं ज्ञापित किया। शिक्षक समस्याओं के सम्बन्ध में रमेश तिवारी ने एक दिन अनुपस्थिति पर वेतन बहाल करने हेतु आख्या भेजने, लंबित एनपीएस पत्रावली लेखा कार्यालय भेजने, ऑनलाइन पेंडिंग एरियर फॉरवर्ड करने, 31मार्च 2025 को सेवा निवृत्त होने वाले शिक्षकों की सेवा पुस्तिका पूरित कर पत्रावली तैयार कराने, लंबित चयन वेतनमान फाइल स्वीकृति हेतु बीएसए कार्यालय भेजने, चयन वेतनमान प्राप्त कर चुके शिक्षकों की प्रविष्टियां उनके मानव संपदा पर दर्ज करने का अनुरोध किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आज सेवा पुस्तिका पूर्ण हो गई है उस पर आज हस्ताक्षर कर दिए हैं। एक दिन अनुपस्थिति पर आख्या एकध्दो दिन में भेज दी जाएगी। शेष कार्य भी समय से पूर्ण कराए जाएंगे। इस अवसर पर मंत्री दूबेपुर फिरोज अहमद उपाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, अटेवा अध्यक्ष दूबेपुर राजेश पाण्डेय पदाधिकारी सोहन कुमार खुर्शीद अहमद बीना पाण्डेय सहायक लेखाकार चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव प्रवीन जायसवाल इरफान अनूप योगेन्द्र सिंह राकेश वर्मा उमाकांत दिलशाद रहे।

दुष्कर्म का आरोपी धराया, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। दुष्कर्म व पास्को एक्ट के आरोपी को सांगीपुर पुलिस ने धर दबोचा। सांगीपुर के दरोगा इन्द्रेश कुमार फोर्स के साथ बुधवार को गश्त पर निकले थे। देउम चौराहा पर चेकिंग के दौरान पुलिस को दुष्कर्म व पास्को एक्ट का वांछित दिख गया। पुलिस टीम ने लालगंज कोतवाली के महिमापुर निवासी भाई लाल वर्मा के पुत्र दीपक वर्मा को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

स्थगन के बावजूद रास्ते के निर्माण का आरोप, कार्रवाई की गुहार

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के हण्डौर के पूरे शुक्लान गांव में पीडित ने कोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद दबंगई से रास्ते के निर्माण का आरोप लगाया है। गांव के राम अनुराग शुक्ला ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि कोर्ट के स्थगन के बावजूद उसकी भूमिधरी से विपक्षी पेड़ काटकर रास्ते का निर्माण कर रहे हैं। मना करने पर आरोपी पीडित को जानलेवा धमकी दिया करते हैं। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस को शिकायती पत्र देने के बावजूद कार्रवाई नही हो रही है। पीड़ित ने डीएम को शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार की है।

आरोपी के खिलाफ युवती के अपहरण का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने युवती के अपहरण को लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की पीडिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि दो जनवरी को दोपहर दो बजे वह घर से बाहर गयी थी। घर पर उसकी बेटी अकेली थी। आरोप है कि इस बीच डांडी बसावन गांव निवासी आरोपी जितेन्द्र सिंह का पुत्र विवेक सिंह उसकी बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। पीडिता का यह भी कहना है कि वह घर वापस लौटी तो बेटी के साथ घर में रखा पांच हजार रूपये नकद भी नदारद मिला। पीड़िता ने पुत्री के साथ अप्रिय घटना की आशंका जतायी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी विवेक के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है।

कूटरचित बैनामे को लेकर शिकायत, जांच में जुटा प्रशासन

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बलीपुर कटरा निवासी माताफेर के पुत्र राजेन्द्र ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि कूटरचित अभिलेखों के सहारे एक गांव के आरोपित ने उसकी भूमिधरी का बैनामा करा लिया। पीडित का कहना है कि फर्जी आधार व निवास जैसे कागजात तैयार कर आरोपित ने निबंधन कार्यालय की मिलीभगत से उसकी जमीन का बैनामा कराया है। डीएम ने मामले में एसडीएम को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार का कहना है कि शिकायती पत्र की जांच की जा रही है, दोषियों के खिलाफ जांच के आधार पर कडी कार्रवाई की जाएगी।

अर्न्तजनपदीय क्रिकेट टूर्नामेण्ट में कसमापुर इलेवन को मिली विजेता ट्राफी

लालगंज, प्रतापगढ़। जलेशरगंज हुए अर्न्तजनपदीय क्रिकेट टूर्नामेंट में में विजेता कप अपने नाम किया। उप को मिला। पाण्डेय ब्रदर्स के बैनरतले के अलावा पडोसी अमेठी तथा रायबरेली प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबले मे टीम को तीन विकेट से कसमापुर विजेता टीम के कैप्टन रमेश पटेल को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा समाजसेवी शिवप्रकाश मिश्र सेनानी कप प्रदान किया। वहीं अतिथियों ने रामायण यादव को पुरस्कृत किया। ने विजेता टीम को ग्यारह हजार सौ रूपये का विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार सौंपा। मुख्य अतिथि शिवप्रकाश मिश्र सेनानी ने कहा कि खेल सदैव भाईचारे की मजबूती का पैगाम हुआ करता है। विशिष्ट अतिथि ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने सामाजिक सदभाव के लिए खेल की महत्वता पर प्रकाश डाला। संयोजक सज्जन पाण्डेय ने अतिथियों व खिलाडियो का स्वागत तथा बबलू पाण्डेय ने आभार जताया। अंपायर की भूमिका में अजय तिवारी सोनू व अवनीश तिवारी सराहे गये। कार्यक्रम का संचालन संजय शुक्ल ने किया। समापन समारोह में प्रधानाचार्य भोला नाथ पाण्डेय, भाजपा नेता बबलू मिश्र, बच्चन पाण्डेय, शिक्षक दिवाकर पाण्डेय, विशाल पाण्डेय ने भी आयोजन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर दीपांशु पाण्डेय, विवेक पाण्डेय, आदर्श पाण्डेय, मोनू पाण्डेय, राजेन्द्र तिवारी, धीरज पाण्डेय, छोटू, भगवान तिवारी, संजय पाण्डेय, राहुल मिश्र, दिनेश सिंह आदि रहे।

किसान भाई नजदीकी जनसेवा केन्द्रों के माध्यम से 31 जनवरी तक अवश्य बनवा लें फार्मर आई0डी0-जिलाधिकारी

श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार एग्रीस्टैक (डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर) के अन्तर्गत फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने के सम्बन्ध में विशेष अभियान 03 दिसम्बर, 2024 से चलाया जा रहा है। शासन द्वारा पी0एम0 किसान के लाभार्थियों सहित जनपद के समस्त भूमिधर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री 31 जनवरी, 2025 तक किया जाना है। फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु जनपद में कार्यरत राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक, राजस्व लेखपाल, .षि विभाग के तकनीकी सहायक वर्ग–सी तथा बी0टी0एम0/ए0टी0एम0, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक द्वारा ग्राम स्तर पर कैम्प के माध्यम से तथा जनसेवा केन्द्र के द्वारा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। उन्होने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसलिए जन जागरूकता ग्रामसभा की बैठकध्ग्राम प्रधान एवं अन्य स्थानीय स्तर के जनसंवाद के माध्यम से जनपद के .षकों को इस योजना के लाभ से संवेदित किया जाना है, तथा पी0एम0 किसान सम्मानिधि योजनान्तर्गत अग्रेत्र मिलने वाली किस्त हेतु सम्बन्धित .षक का फार्मर रजिस्ट्री होना अनिवार्य है। उक्त बिन्दु के .ष्टिगत विशेष प्रयास कर पी0एम0 किसान योजना के लाभार्थियों को इस अभियान के आरम्भिक चरण में ही शत–प्रतिशत संतृप्त किया जाना है। फार्मर रजिस्ट्री के लाभ–किसानों को मिलने वाली किसान सम्माननिधि की आगामी किस्त उन्हीं किसानों के खाते में जायेगी, जिनकी फार्मर आई0डी0 बन जायेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ। भविष्य में किसानों को मिलने वाली सभी सुविधाओं का लाभ फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से ही मिलेगा। इसलिए उन्होने जनपद के समस्त किसानों से अपील किया है कि वह कैम्प या नजदीकी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से अपनी फार्मर आई0डी0 बनवाने का कष्ट करें, जिससे उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके। फार्मर रजिस्ट्री के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे–आधार कार्ड, आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नं0, मोबाइल एवं .षक की समस्त खतौनी के दस्तावेज होना आवश्यक है।

चोरों ने प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड़कर चुराया सामान

जमुनहा/श्रावस्ती जमुनहा थाना क्षेत्र मल्हीपुर स्थित हरिहरपुर करनपुर उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय हरिहरपुर करनपुर का ताला चोरों ने तोड़कर मंगलवार की रात चोरों ने स्मार्ट क्लास का सामान एवं अन्य सामानों को चोरी कर ली। इस समय शीत कालीन अवकाश के कारण विद्यालय पूर्णत बंद है। बुधवार की सुबह विद्यालय की रसोइया ने विद्यालय में आकर देखा तो स्मार्ट क्लास एवं कार्यालय सहित सभी कमरों के ताले टूटे हुए हैं। अंदर गयी तो देखा स्मार्ट क्लास में लगे हार्डवेयर सामग्री एवं विभाग द्वारा प्राप्त कम्प्यूटर सेट गायब है। रसोइया से पूछने पर पता चला कि रसोईघर से सारे बर्तन एवं गैस डबल बर्नर भट्ठी दो भगोना, सिलेण्डर कढाई एवं नये बर्तन 150 थाली.150 चम्मच, 150 गिलास, मूसल। तसला एवं शिक्षण सामग्री चहक किट, स्पोर्ट किट विद्यालय में बच्चों के बैठने की बेंच आदि चोरी हो गई और शिक्षिका प्रियंका सिंह ने बताया कि विद्यालय में रखा सारा सामान चोरों ने रातों–रात गायब कर दिया इसकी सूचना थाना मल्हीपुर में दी गई मौके पर थाना मल्हीपुर की पुलिस पहुंची और जांच में जुट गई।

चोरों ने दुकान में नकब लगाकर चोरी की घटना को दिया अंजाम

श्रावस्ती भीषण ठंड और कोहरे के फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरो ने एक चूड़ी व कपड़े की दुकान में नकब लगाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। गिलौला थाना क्षेत्र के सिसवारा चौराहे पर स्थित चूड़ी कपड़े की दुकान में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने दुकान के पीछे दीवार में नकब लगाकर 7 हजार रूपये नगद व दुकान में रखा सामान पर हाथ साफ कर दिया सुबह जब दुकान की मालकिन अपने दुकान पर पहुंची तो घटना की जानकारी हुई। जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। लेकिन स्थानीय लोग पुलिस की गश्त पर सवाल उठाते हुए नजर आ रहे है।

आरोपी को जेल में बितायी गयी अवधि व 5,00 रु का अर्थदण्ड

श्रावस्ती अभियोजन पक्ष की पैरवी के फलस्वरूप आज दिनांक 08.01.2025 को न्यायालय ब्रम्ड जनपद श्रावस्ती ने थाना मल्हीपुर पर पंजी.त मु0अ0सं0 559/2006 धारा 60(2) आबकारी अधिनियम बनाम रामचन्दर वर्मा पुत्र सीताराम नि0 शिवगढ़कला थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती के कब्जे से शराब बनाने की भट्टी व 05 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद होने के अपराध में दोषी मानते हुये को जेल में बितायी गयी अवधि व 5,00 रू के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

154 वाहनो का हुआ चालान

श्रावस्ती थाना मल्हीपुर पुलिस' ने अभियुक्त ननकऊ पुत्र दयाराम निवासी सिरसिया थाना नबाबगंज जनपद बहराइच को 01 नाजायज चाकू के साथ गिरतार कर थाना मल्हीपुर पर 4/25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजी.त किया गया। थाना हरदत्त नगर गिरंट पुलिस' ने अभियुक्त चेतराम पुत्र गोली निवासी अवसान कुण्डी थाना हरदत्त नगर गिरंट जनपद श्रावस्ती को 09 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरतार कर थाना हरदत्त नगर गिरंट पर 60 आबकारी अधिनियम में पंजी.त किया गया।

जनपद श्रावस्ती के विभिन्न थानाक्षेत्रों से शांतिभंग करने के आरोप में कुल 08 व्यक्तियों को गिरतार कर पाबंदी हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर बैरियर चेक पोस्ट लगाकर चेकिंग गयी, जिसके अन्तर्गत विभिन्न चेक पोस्टों पर वाहनों की चेकिंग की दौरान 154 वाहनों का मोटर अधिनियम से ई–चालान कर रू0 2,13,500 का शमन किया गया।

राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से भूमाफिया ने हड़प लिया स्कूल, डीएम से शिकायत

सुल्तानपुर। बीजेपी की योगी सरकार भू माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के सीधे निर्देश जारी हैं, बावजूद इसके जनपद सुल्तानपुर के कुछ राजस्वकर्मी रातों–रात लखपति और करोड़पति बनने का सपना देख रहे हैं ।उसके लिए वह सरकारी जमीनों की का भी सौदा भू–माफियाओं से करने से बाज नहीं आ रहे हैं । ऐसा ही एक सनसनी खेज मामला जयसिंहपुर तहसील के ग्राम पंचायत राजापुर से जुड़ा मामला चर्चा में आया है। इस करोड़ो की जमीन पर कब्जे की खबर पर क्षेत्रीय नेता भी खामोश हैं। नाराज ग्रामीणों ने डीएम कृतिका ज्योत्सना के सामने पेश होकर ग्रामीणों ने कहा कि गाटा संख्या 567 स्कूल की जमीन, गाटा संख्या 568 खेल का मैदान, 565 खाद गढ़वा तथा गाटा संख्या 554 चकमार्ग स्थित है जो कि ग्रामसभा की सुरक्षित भूमि है। ग्रामीणों ने शिकायती पत्र में कहा गया है कि गाँव के निवासी नसीमुद्दीन सुत मोहब्बत अली शाह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को गुमराह करके गाटा संख्या 567 व 568 को श्रेणी –6 आबादी घोषित करवा दिए है ।जबकि बन्दोबस्त के रिकार्ड में स्कूल तथा खेल के मैदान के लिए उक्त दोनों गाटे दर्ज हैं तथा गाटा संख्या 565 खाद गडढे की भूमि पर शौचालय बनवाकर व 554 चकमार्ग पर मकान बनाकर अनाधिकृत तरीके से कब्जा कर लिए है । जिससे ग्रामवासियों को काफी परेशानी हो रही है और ग्रामसभा की अपूर्णनीय क्षति है। उक्त नसीमुद्दीन भू माफिया हैं। कहा गया कि खाद के गडढे के लिए सुरक्षित भूमि पर नाली का निर्माण करवाना चाहते है रात में जे०सी०बी० से खाद गड्ढे के लिए सुरक्षित भूमि में नाली खोदवा दिए है।ग्रामीणों ने कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। तहसील में वादकारी से पैसा लेने की खबर पर एसडीएम को मुख्यमंत्री के निर्देश पर हटाया गया था।लेकिन एसडीएम संतोष कुमार ओझा ने जबरदस्त पैरवी कर अपने निलंबन को गलत बताते हुए बहाली का आदेश प्राप्त किया था।आपको बताते चले कि यह वहीं जयसिंहपुर तहसील है ।जहां के एसडीएम संतोष कुमार ओझा का मातहत कर्मी घूसखोरी के मामले में एंटी करप्शन टीम ने दिनदहाड़े पकड़ा था।इसी प्रकरण में कार्रवाई का दायरा आगे बढ़ा और एसडीएम संतोष कुमार ओझा को हटाया गया था । लेकिन चंद दिनों के भीतर एसडीएम ने हाईकोर्ट की शरण लेकर सरकार के फैसले को पटखनी दे दी और साहब बहाल हो गए।

जनपद न्यायाधीश ने जिला कारागार का निरीक्षण किया

श्रावस्ती जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रावस्ती के तत्वावधान में अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती जनपद न्यायाधीश राम मिलन सिंह के निर्देशन में दिनांक 07.01.2025 को जिला कारागार बहराइच श्रावस्ती का निरीक्षण अपरान्ह 3:00 बजे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जनपद न्यायाधीश, श्रावस्ती श्रीमती करूणा सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान जेलर द्वारा यह अवगत कराया गया कि इस कारागार में 540 बंदियों को निरूद्ध करने की क्षमता है। कुल बंदियों की संख्या 999 है जिसमें श्रावस्ती के कुल बंदियों की सं 261 है। जिसमें सिद्धदोष बन्दी पुरूष 63 तथा महिला सिद्धदोष बन्दी 02 एवं विचाराधीन बन्दी कुल 196 हैं। तथा महिला बन्दी 06 हैं तथा अवयस्क बन्दी 06 हैं। इस प्रकार श्रावस्ती जनपद से कुल 261 बंदी निरूद्ध पाये गये। जेल चिकित्सालय में भर्ती बन्दी 02 पाये गये। जेलर द्वारा बताया गया कि सुबह के नाश्ते में बन्दियों को चाय, गुड़ व चना दिया जाता है। आज प्रातः काल के भोजन में रोटी, चावल, अरहर की दाल एवं, सब्जी साग दिया गया। आज अपरान्ह में चाय व बिस्कुट दिया गया। आज सायंकाल के भोजन में बन्दियों को रोटी, चावल, मसूर की दाल एवं सब्जी चुकन्दर दी जायेगी। इस दौरान जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जनपद न्यायाधीश, श्रावस्ती श्रीमती करूणा सिंह द्वारा किया गया तथा सभी रजिस्टर एवं प्रपत्रों का अवलोकन कर गहनता से जांच किया गया। जेलर को सचिव महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी बंदियो से निःशुल्क अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र को अविलम्ब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय श्रावस्ती को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। इस दौरान एक विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन भी बंदियों के हितार्थ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती द्वारा किया गया। जिसमें बंदियों को विभिन्न प्रकार की कानूनी जानकारी प्रदान की गयी एवं बंदियों के समस्याओं को सुना गया तथा उसके सम्बन्ध में पत्र भेजने के बारे में जेलर को निर्देशित किया गया।

महाकुंभ की तैयारी को लेकर संदिग्ध गाड़ियों की तलाशी, 111 वाहनों का चालान, 2 गाड़ियां सीज

प्रतापगढ़,। प्रतापगढ़ पुलिस ने महाकुंभ मेला 2025 की तैयारियों के तहत सड़कों पर अवैध पार्किंग और बेतरतीब खड़े वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने 02 वाहनों को सीज किया, 111 वाहनों का चालान किया और 05 वाहनों से ध्8,500 का जुर्माना भी वसूला। वहीं अवैध पार्किंग में 05 वाहनों को क्रेन से उठवाकर पुलिस लाइन पहुंचाया गया। महाकुंभ मेला 2025 के प्रयागराज और अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतापगढ़ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन, पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र और पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ के निर्देशन में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अवैध पार्किंग और यातायात नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है। प्रतापगढ़ पुलिस ने सड़कों पर अवैध पार्किंग और बेतरतीब खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई करते हुए। 02 वाहनों को सीज किया। वहीं 111 वाहनों का चालान किया गया। 05 वाहनों से ध्8,500 का जुर्माना वसूला। अवैध पार्किंग में 05 वाहनों को क्रेन से उठवाकर पुलिस लाइन पहुंचाया गया। सुरक्षा बढ़ाने के लिए 110 वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अब तक 2305 ई–रिक्शा चालकों और स्वामियों का सत्यापन किया गया। सत्यापन के बाद ई–रिक्शा पर विशेष स्टीकर लगाए गए। सड़कों पर अवैध अतिक्रमण रोकने के लिए व्यापारी और आमजन से संवाद स्थापित किया गया। सड़क–सुरक्षा, जीवन–रक्षा अभियान के तहत लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रतापगढ़ पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के लिए अभियान भी चलाया है। पुलिस ने व्यापारियों और आमजन से संवाद स्थापित कर अवैध अतिक्रमण रोकने की कोशिश की है। पुलिस ने अपील की है कि महाकुंभ मेला 2025 के दृष्टिकोण से जारी रूट डायवर्जन प्लान और गाइडलाइन्स का पालन किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और व्यवस्थित हो सके।

एएसपी के सामने पुलिस पर जानलेवा हमला,लोडर और कार में टक्कर के बाद दबंगों ने किया हमला

प्रतापगढ़,। प्रतापगढ़ के पट्टी थाने में तैनात दरोगा और हेड कॉन्स्टेबल के ऊपर दबंगों ने जानलेवा हमला किया। हेड कॉन्स्टेबल गंभीर घायल है। जिनको अस्पताल में भर्ती कराया। दरोगा की तहरीर पर पांच नामजद समेत चार अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

सामने से आए लोडर से कार की मामूली टक्कर के बाद मंगलवार रात पट्टी कस्बे में जमकर हंगामा हुआ। लोगों ने लोडर तोड़ दिया। तोड़ने का वीडियो सामने आया। इसके बाद दोनों पक्ष से जुटे लोगों में मारपीट हो गई। एएसपी पूर्वी के साथ पहुंचे पुलिसकर्मियों से भी लोगों ने धक्का–मुक्की की। पुलिस के सामने भी लोग मारपीट करते रहे। प्रतापगढ़ के पट्टी ब्लॉक कार्यालय के सामने स्थित मंदिर के पुजारी जिला मुख्यालय की ओर से लोडर लेकर लौट रहे थे। तभी करीब के गांव बीबीपुर से आ रहे युवक की कार में लोडर से टक्कर लग गई। इसे लेकर उनके बीच विवाद होने लगा। लोग लोडर तोड़ने लगे तो स्थानीय दुकानदार विरोध करने लगे। इसे लेकर दुकानदारों से विवाद होने लगा। कुछ ही देर में दोनों ओर से लोग जमा हो गए और उनके बीच मारपीट होने लगी। इसमें लोडर मालिक पुजारी के साथ ही एक दुकानदार भी घायल हो गया। दुकानदारों के पक्ष में लोग एकजुट हुए तो बीबीपुर से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। तभी पट्टी थाने की पुलिस के साथ उधर से गुजर रहे एएसपी पूर्वी भी पहुंच गए। लोग पुलिसकर्मियों के सामने भी मारपीट करते रहे।

बीच बचाव करने पर लोगों ने पुलिसकर्मियों से भी अभद्रता की। दरोगा शुभम सिंह की तहरीर पर पांच नामजद समेत चार अज्ञात के

लोकतंत्र रक्षक सेनानी रामदुलार मौर्य की 12वीं पुण्यतिथि मनाई

सुल्तानपुर। लोकतंत्र रक्षक सेनानी स्वर्गीय रामदुलार मौर्य की बरसी चौक सब्जी मंडी स्थित निवास पर उनके पौत्र आशीष कुमार मौर्य ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। जिसमें सादगी व उनके सिद्धांत प्रियता को जीवन में उतारने का लोगों ने संकल्प लिया। लंबे समय तक जिले में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जीवन भर बेसहारा लोगों की मदद कर ख्याति अर्जित करने वाले राजनीतिक स्वर्गीय रामदुलार मौर्य की बुधवार को चौक सब्जी मंडी इलाके में 12 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इमरजेंसी के दौर में मीशा के तहत जेल की भी उन्होंने यातना सही थी। इसलिए उन्हें लोकतंत्र रक्षक सेनानी के रूप में जाना जाता था। इस अवसर पर आयोजित सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के सामाजिक संगठनों के लोग मौजूद रहे। आशीष कुमार मौर्य के संयोजन में सभा के दौरान पूर्व विधायक हरिचरन यादव ने कहा कि स्वर्गीय रामदुलार मौर्य साधारण व्यक्तियों की चिंता करते थे। उन्होंने अपने जीवन काल में आम लोगों के लिए आवाज बुलंद कर उन्हें न्याय दिलाने में भरपूर मदद की। इस मौके पर पत्रकार एसोसिएशन अध्यक्ष अवधेश शुक्ला, राम सुंदर यादव एडवोकेट, राम सुरत मौर्य एडवोकेट, प्रतीक कुमार मौर्य, अमित मौर्य, मनोज मौर्य, रवि मौर्य, आशीष मिश्रा ,शिव कुमार दुबे, नवीन शर्मा, संजय कुमार यादव नवीन, कन्हैया लाल यादव, राजेश्वर प्रसाद मौर्य, अनिरुद्ध चौरासिया, राजबहादुर यादव, अशुतोष मिश्रा, जगन्नाथ वर्मा, राजेश शुक्ला कोटेदार ,ज्वाला प्रसाद मिश्र, छेदी लाल यादव, आरके मौर्य, चंदन अग्रहरि, सतीश मौर्य, सुनील मौर्य, राम ,विद्या भूषण मिश्रा, शिशिर सिंह, गोपाल शुक्ला आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 09 जनवरी 2025
sheelshukla100@gmail.com

देश भर की मंडियों में मिठास घोल रहा उत्तर प्रदेश का गुड़

जयपुर ,08 जनवरी । देश में गुड़ की प्रमुख उत्पादक मंडी मुजफरनगर में गुड़ का कारोबार निरंतर बढ़ोतरी की ओर अग्रसर है। पिछले चार सीजन में गुड़ का सालाना कारोबार करीब दुगुना हो गया है। गौरतलब है कि मुजफ्फरनगर की मंडी देश में गुड़ की सबसे बड़ी मंडी है। मंडी समिति के कारोबारियों के मुताबिक सालाना 4500 करोड़ रुपए का कारोबार तो मुजफ्फरनगर से ही हो रहा है। जयपुर की सूरजपोल मंडी स्थित फर्म महालक्ष्मी एंटरप्राइजेज के मुरारीलाल अग्रवाल कहते हैं कि इस बार सीजन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बने 50 से ज्यादा किस्मों के गुड़ बाजार में बिक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि गुड़ बनता तो आज भी पुराने तरीके से ही है, मगर उसकी पैकिंग, गुणवत्ता और खरीद–बिक्री के नए तरीकों ने उसे भी हाइटेक बना दिया है। अग्रवाल ने बताया कि पश्चिम उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर, हापुड़, शामली, बागपत, मेरठ और अवध के सीतापुर, लखीमपुर, शाहजहांपुर तथा बरेली तो दशकों से गुड़ बनाते आए हैं। मगर अब प्रदेश के कई दूसरे जिलों में गुड़ का उत्पादन बड़े पैमाने पर होने लगा है। अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा, बस्ती, अंबेडकरनगर और हरदोई जैसे जिलों में खूब कोल्हू चल रहे हैं। अयोध्या के गुड़ को तो योगी आदित्यनाथ सरकार ने विशेष श्रेणी में शामिल किया है। इसी वजह से गुड़ उद्योग खूब रोजगार भी दे रहा है।

कीमतों में ज्यादा इजाफा नहीं, डिमांड तेजी से बढी

मुरारीलाल ने कहा कि पिछले दो साल में गुड़ की कीमतों में ज्यादा इजाफा नहीं हुआ है, लेकिन डिमांड तेजी से बढ़ी है। इस सीजन में जयपुर मंडी में अच्छी क्वालिटी का गुड़ 42 से 48 रुपए प्रति किलो थोक में बिक रहा है। कारोबारी गुड़ में कई प्रकार के प्रयोग कर रहे हैं तथा गुड़ की आकर्षक पैकिंग में बाजार में बिक्री की जा रही है। जयपुर मंडी में मंगलवार को गुड़ ढेया 40 से 48 रुपए, पतासी 41 से 43 रुपए तथा लड्डू गुड़ 43 से 46 रुपए प्रति किलो थोक में बेचा जा रहा है। जयपुर मंडी में प्रतिदिन पांच ट्रक गुड़ की आवक हो रही है। उत्तर प्रदेश में खांडसारी नीति में गुड़ उत्पादन को प्रोत्साहन दिया गया है। नई नीति के तहत खांडसारी इकाईयों को 100 घंटे के भीतर लाइसेंस देने की व्यवस्था की गई है। इन कोशिशों के चलते ही मुजफ्फरनगर में सीजन के दिनों में 35000 कोल्हू चलते हैं। उत्तर प्रदेश में इस समय करीब 70000 से ज्यादा कोल्हू चल रहे हैं। चार साल पहले इसके आधे भी नहीं चलते थे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने नवंबर 2024 में सुरक्षित-संपत्ति के रूप में खरीदा 8 टन सोना

मुंबई ,08 जनवरी । वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवंबर 2024 में और आठ टन सोना खरीदा है। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने नवंबर महीने के दौरान 53 टन कीमती धातु की सामूहिक खरीद जारी रखी है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी चुनाव के बाद नवंबर के दौरान सोने की कीमतों में गिरावट ने कुछ केंद्रीय बैंकों को कीमती धातु जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आरबीआई ने दूसरे केंद्रीय बैंकों की तरह, सुरक्षित संपत्ति के रूप में सोना खरीद रहा है।सोना रखने की रणनीति भू–राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अनिश्चितता के समय में मुख्य रूप से मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव और विदेशी मुद्रा जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से है।नवंबर में अपने भंडार में आठ टन सोना जोड़ने के साथ आरबीआई ने 2024 के पहले 11 महीनों में अपनी खरीद को बढ़ाकर 73 टन कर और अपने कुल सोने के भंडार को 876 टन कर दिया है। इसके साथ आरबीआई ने पोलैंड के बाद वर्ष के दौरान दूसरा सबसे बड़ा खरीदार होने का अपना स्थान बनाए रखा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अपने भंडार में पांच टन सोना जोड़कर छह महीने के गैप के बाद सोने की खरीद फिर से शुरू की है और सालाना आधार पर शुद्ध खरीद को बढ़ाकर 34 टन कर दिया है। इसी के साथ, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अपने कुल सोने के भंडार को 2,264 टन (कुल भंडार का 5 प्रतिशत) कर दिया है।इस बीच, सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस) महीने का सबसे बड़ा विक्रेता था, जिसने अपने सोने के भंडार को 5 टन कम कर दिया, जिससे सालाना आधार पर शुद्ध बिक्री 7 टन और कुल सोने की होल्डिंग 223 टन हो गई।वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई की सोने की खरीद 2023 की इसी अवधि में खरीदी गई कीमती धातु की मात्रा से पांच गुना बढ़ गई है।आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई का कुल स्वर्ण भंडार अब 890 टन हो गया है, जिसमें से 510 टन भारत में है।वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, महीने के दौरान सोना खरीदने वाले केंद्रीय बैंकों में पोलैंड के 21 टन और उज्बेकिस्तान के नौ टन शामिल हैं।केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की इन बड़ी खरीदों से वैश्विक बाजार में कीमती धातु की कीमतों में भी तेजी आई है।आरबीआई के आधे से अधिक स्वर्ण भंडार विदेशों में बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के पास सुरक्षित हिरासत में रखे गए हैं, जबकि लगभग एक तिहाई नागपुर और मुंबई में आरबीआई के वॉल्ट में संग्रहीत हैं।रिजर्व बैंक ने यूनाइटेड किंगडम में बैंक वॉल्ट में रखे अपने 100 मीट्रिक टन सोने को 2024 में भारत में अपने वॉल्ट में शिफ्ट कर दिया क्योंकि देश में पर्याप्त घरेलू भंडारण क्षमता थी।स्वर्ण भंडार को शिफ्ट करने से ब्रिटेन में वॉल्ट के इस्तेमाल के लिए भुगतान किए जाने वाले उच्च शुल्क में बचत होने की उम्मीद है।

अदाणी ग्रुप के शेयरों में जोरदार तेजी, मार्केट कैप बढ़कर 12.80 लाख करोड़ रुपये हुआ

मुंबई ,08 जनवरी । अदाणी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को तेजी का ट्रेंड देखने को मिला। ग्रुप के सभी शेयरों में हरे निशान में कारोबार हो रहा था। दोपहर 1रू39 पर अदाणी ग्रीन एनर्जी 3 प्रतिशत, अदाणी पावर 3.18 प्रतिशत, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस 2.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।इसके अलावा अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 1.72 प्रतिशत की बढ़त थी।अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) का शेयर 1.36 प्रतिशत और अदाणी टोटल गैस का शेयर करीब 0.6 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा और एसीसी के शेयर में करीब 1.50 प्रतिशत की तेजी थी।इस दौरान ग्रुप का मार्केट कैप करीब 16 हजार करोड़ रुपये बढ़कर 12.80 लाख करोड़ रुपये हो गया है।पिछले कुछ समय में अदाणी ग्रुप की कंपनियों को लेकर कई सकारात्मक खबरें आई हैं, जिसके कारण निवेशकों का ग्रुप की कंपनियों पर विश्वास बढ़ा है।हाल में अदाणी एंटरप्राइजेज की सहयोगी कंपनी अदाणी पेट्रोकेमिकल्स ने इंडोरामा रिसोर्सेज के साथ श्वैलोर पेट्रोकेमश नाम से ज्वाइंट वेंचर की घोषणा की थी। इस ज्वाइंट वेंचर में अदाणी पेट्रोकेमिकल्स की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।इस ज्वाइंट वेंचर के जरिए अदाणी ग्रुप की योजना पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर में इंडोरामा की विशेषज्ञता का लाभ उठाना है।अदाणी पेट्रोकेमिकल्स की स्थापना 2021 में हुई थी। इसका उद्देश्य देश में रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स स्थापित करना है।इंडोरामा रिसोर्सेज की पैरेंट कंपनी इंडोरामा वेंचर्स पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में एक अग्रणी वैश्विक कंपनी है, जो 35 से अधिक देशों में परिचालन करती है। थाईलैंड में स्थित, इंडोरामा पॉलिएस्टर उत्पादों और फाइबर सेक्टर में दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। साथ ही यह केमिकल सेक्टर की एक बड़ी कंपनी है।

सिडनी की च्पजबी पर ICC ने लगाया शसबसे खराब पिचश का ठप्पा, यहीं WTC Final की रेस से बाहर हुआ था भारत

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भारत ने पर्थ टेस्ट जीतकर टेस्ट सीरीज की शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह कोई भी टेस्ट नहीं जीत सका। सिडनी टेस्ट सीरीज का निर्णायक मैच साबित हुआ जहां भारत के हाथ से खिताब चला गया। इसी टेस्ट की पिच को अब आईसीसी ने बाकी पिचों के मुकाबले सबसे खराब का ठप्पा लगाया है।टीम इंडिया बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी हारने के बाद वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल की रेस से बाहर हो गई। भारत ने सीरीज में पर्थ टेस्ट जीतकर शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह कोई भी टेस्ट नहीं जीत सका। सिडनी टेस्ट सीरीज का निर्णायक मैच साबित हुआ जहां भारत के हाथ से खिताब चला गया। इसी टेस्ट की पिच को अब आईसीसी ने बाकी पिचों के मुकाबले सबसे खराब का ठप्पा लगाया है। सिडनी टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2–1 की बढ़त बना ली थी। भारत के पास मौका था कि वह सिडनी टेस्ट जीतकर 2–2 से सीरीज ड्रॉ कराए लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सिडनी टेस्ट महज तीन दिन में ही खत्म हो गया। पिच पर आमतौर पर स्पिनर्स को मदद मिलती थी लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। अब इस सीरीज की सभी पिचों को रेटिंग

दी गई है। पांचों टेस्ट में सबसे खराब रेटिंग सिडनी को ही गई हैं।

वहीं आईसीसी ने पर्थ, एडिलेड, ब्रिस्बेन और मेलबर्न टेस्ट मैचों के लिए इस्तेमाल की गई पित को अच्छी रेटिंग दी है जबकि सिडनी टेस्ट की पिच को औसतन रेटिंग दी गई। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट संचालन और शेड्यलिंग प्रमुख पीटर रोच ने कहा कि वह रेटिंग से खुश हैं। उन्होंने कहा कि, एससीजी कोशिश कर रहा है कि पिच अलग तरह बिहेव करे। स्पिनर्स को मदद से पहले वह तेज गेदंबाजों को गति और उछाल दे। ये साल इसे प्राप्त करने क लिए सही दिशा में एक कदम था जिसने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज को एक रोमांचक अंत दिया और 2025–26 में एशेज गर्मियों के लिए अच्छा संकेत है।

गौतम गंभीर देना चाहेंगे संजू सैमसंग को मौका, टीम इंडियासे राहुल-जडेजा की हो सकती है छुट्टी, ये खिलाड़ी हो सकते हैं शामिल

चौंपियंस ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भारत की वनडे टीम के बल्लेबाजी कोर का हिस्सा बने रहने की संभावना है लेकिन कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ियों को पत्ता कट सकता है। दरअसल, 50 ओवर के प्रारुप में इन खिलाड़ियों के भविष्य पर बहस हो सकती है। जब चयनकर्ता चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चुनेंगे।अगले महीने से चौंपियंस ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भारत की वनडे टीम के बल्लेबाजी कोर का हिस्सा बने रहने की संभावना है लेकिन कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ियों को पत्ता कट सकता है। दरअसल, 50 ओवर के प्रारुप में इन खिलाड़ियों के भविष्य पर बहस हो सकती है। जब चयनकर्ता चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चुनेंगे। केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा का चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में होना तय नहीं है। हालांकि, वे 2023 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा थे। फाइनल के बाद से भारत ने 6 वनडे मैच खेले हैं और शमी और जडेजा को आराम दिया गया था। जबकि राहुल को साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ दोनों द्विपक्षीय सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ उन्हें बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के कारण सीरीज के बीच में ही बाहर कर दिया गया था।

आर्सेलर मित्तल का साउथ अफ्रीका में नुकसान में चल रहे लान्ग स्टील बिजनेस को बंद करने का ऐलान

जोहान्सबर्ग ,08 जनवरी । स्टील उत्पादक कंपनी आर्सेलर मित्तल साउथ अफ्रीका लिमिटेड ने सोमवार को ऐलान किया कि वह देश में घाटे में चल रहे अपने लॉन्ग स्टील कारोबार को बंद कर रही है। इस कदम से लगभग 3,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां प्रभावित होने की संभावना है।लंबे समय से कमजोर आर्थिक स्थिति, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा चुनौतियों और चीन से सस्ते स्टील आयात के चलते कंपनी द्वारा नवंबर से ही परिचालन बंद करने की योजना बनाई जा रही थी।आर्सेलर मित्तल के इस ऐलान के बाद, कंपनी के शेयरों में 15 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली।बयान में कहा गया कि कंपनी एक ऐसे बिंदु पर है, जहां आगे कोई भी देरी कंपनी की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है और इस कारण दक्षिण अफ्रीका में लॉन्ग स्टील का उत्पादन बंद करने के निर्णय को और आगे नहीं टाला जा सकता है। आर्सेलर मित्तल साउथ अफ्रीका के बोर्ड और प्रबंधन का यह नैतिक और कानूनी कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि समग्र व्यवसाय लंबी अवधि में टिकाऊ बना रहे।बयान में आगे कहा गया कि कंपनी सरकार और अन्य पक्षकारों से मिले समर्थन की सराहना करती है और इसे रोकने के लिए उठाए गए इनिशिएटिव में कुछ प्रगति भी हुई है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं।आर्सेलर मित्तल साउथ अफ्रीका ने कहा कि लगातार उच्च लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा लागत, अपर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेपों (विशेष रूप से कुछ समय पहले किए गए नीतिगत निर्णयों) से स्क्रैप–आधारित स्टीलमेकिंग संचालन को पर्याप्त सब्सिडी देने से संबंधित न्यूकैसल वर्क्स को नुकसान पहुंचा है। इससे लॉन्स स्टील बिजनेस अस्थिर हो गया है।कंपनी ने कहा कि सभी प्रयासों के बावजूद, मांगी गए इनिशिएटिव्स का पैकेज उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया है जो लॉन्स बिजनेस में कंपनी द्वारा अनुभव की जा रही संरचनात्मक समस्याओं को दूर कर सके।वर्ष के अंत तक, कंपनी के पास लॉन्स बिजनेस को बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।कंपनी ने आगे कहा कि वैश्विक स्टील की मांग और कीमतों पर गंभीर दबाव के कारण 2024 की चौथी तिमाही में बाजार की स्थिति खराब हो गई है, जिसने पूरे आर्सेलर मित्तल के साउथ अफ्रीका व्यवसाय के वित्तीय प्रदर्शन को नुकसान पहुंचाया।

स्मिथ का ये हैरतअगेज कैच देखा? बाउंड्री पर लगाई सुपरमैन जैसी डाइव- Video

न्यूजीलैंड ने बुधवार को बारिश से प्रभावित दूसरे वनडे में 113 रनों से विजयी परचम फहराया। न्यूजीलैंड के अरलराउंडर नायन स्मिथ ने हैमिल्टन के मैदान पर एक खतरनाक कैच पकड़ा, जिसने सभी को हैरत में डाल दिया। उन्होंने बाउंड्री के नजदीक सुपरमैन जैसी डाइव लगाई। इस दौरान उन्होंने एशन मलिंगा को आउट करने में अहम भूमिका निभाई।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में अजेय बढ़त हासिल की है। मेजबान न्यूजीलैंड ने बुधवार को बारिश से प्रभावित दूसरे वनडे में 113 रनों से विजयी परचम फहराया। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर नाथन स्मिथ ने हैमिल्टन के मैदान पर एक खतरनाक कैच पकड़ा, जिसने सभी को हैरत में डाल दिया। उन्होंने बाउंड्री के नजदीक सुपरमैन जैसी डाइव लगाई। इस दौरान उन्होंने एशन मलिंगा को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। मलिंगा ने विलियम ओरुर्के द्वारा डाले गए 29वें ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया। हालांकि, बाएं हाथ से बल्लेबाजी करने वाले मलिंगा सही से बॉल कनेक्ट नहीं कर पाए। ऐसे में गेंद थर्ड मैन की दिशा में चली गई, जहां स्मिथ ने गजब की फुर्ती दिखाई। वह बाउंड्री पर दौड़ने के बाद चीते की तरह झपटे और कैच कंप्लीट कर लिया। कुच पल के लिए उनकी पूरी बॉडी हवा में थी। स्मिथ के कैच की खूब तारीफ हो रही है। फिलहाल, बारिश के कारण दूसरा वनडे 37 ओवर का कर दिया गया था। न्यूजीलैंड ने 37 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 255 रन बटोरे। ऑलराउंडर रचिन रविंद्र (79) और मार्क चौपमैन (62) ने अर्धशतक जमाया। श्रीलंका की ओर से सबसे ज्यादा विकेट स्पिनर महेश थीक्षाना ने चटकाए। उन्होंने साल 2025 की पहली हैट्रिक ली। थीक्षणा ने ग्लैन फिलिप्स, कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ को आउट कर हैट्रिक पूरी की। वहीं, लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 30.2 ओवर में 142 रनों पर ढेर हो गई। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए।

शुरुआती कारोबार में गिर गया मार्केट, जानिए कौन से शेयर फिसले और कहां आई तेजी

मुंबई ,08 जनवरी । भारतीय शेयर बाजार आज बुधवार को बढ़त के साथ खुला, लेकिन शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिल रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स आज 120 अंक की बढ़त के साथ 78,319 पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 0.33 फीसदी या 258 अंक की गिरावट के साथ 77,984 पर ट्रेड करता दिखाई दिया। इस समय सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान पर और 23 शेयर लाल निशान पर थे। उधर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी शुरुआती कारोबार में 0.28 फीसदी या 65 अंक की गिरावट के साथ 23,642 पर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी के 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान पर, 38 शेयर लाल निशान पर और 1 शेयर बिना किसी बदलाव के ट्रेड कर रहा था।निफ्टी के शेयरों का हाल

निफ्टी पैक के शेयरों में सबसे अधिक तेजी डॉ रेड्डी में 3.58 फीसदी, ओएनजीसी में 2.17 फीसदी, रिलायंस में 1.13 फीसदी, सिप्ला में 0.91 फीसदी और एक्सिस बैंक में 0.68 फीसदी देखने को मिली। वहीं, सबसे अधिक गिरावट, ट्रेंट में 3.06 फीसदी, श्रीराम फाइनेंस में 2.56 फीसदी, बीईएल में 2.14 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 1.76 फीसदी और टाइटन में 1.47 फीसदी देखने को मिली।

सेक्टोरल सूचकांकों का हाल

सेक्टोरल चूसकांकों की बात करें, तो बुधवार सुबह सबसे अधिक गिरावट निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.98 फीसदी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी मिडस्मॉल आईटी एंड टेलीकॉम में 1.01 फीसदी, निफ्टी मिडस्मॉल फाइनेंशियल सर्विसेज एक्स–बैंक में –.50 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 0.06 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 0.61 फीसदी और निफ्टी फार्मा में 0.17 फीसदी की गिरावट दिखी। इससे इतर निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.09 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.24 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.24 फीसदी की तेजी देखी गई।

गौतम गंभीर देना चाहेंगे संजू सैमसंग को मौका, टीम इंडियासे राहुल-जडेजा की हो सकती है छुट्टी, ये खिलाड़ी हो सकते हैं शामिल

चौंपियंस ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। वहीं इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भारत की वनडे टीम के बल्लेबाजी कोर का हिस्सा बने रहने की संभावना है लेकिन कम से कम तीन सीनियर खिलाड़ियों को पत्ता कट सकता है। दरअसल, 50 ओवर के प्रारुप में इन खिलाड़ियों के भविष्य पर बहस हो सकती है। जब चयनकर्ता चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम चुनेंगे। केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा का चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में होना तय नहीं है। हालांकि, वे 2023 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा थे। फाइनल के बाद से भारत ने 6 वनडे मैच खेले हैं और शमी और जडेजा को आराम दिया गया था। जबकि राहुल को साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ दोनों द्विपक्षीय सीरीज के लिए टीम में चुना गया था। हालांकि, श्रीलंका के खिलाफ उन्हें बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के कारण सीरीज के बीच में ही बाहर कर दिया गया था। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि 100 से ज्यादा गेंदों खेलने के बाद उनका धीमा अर्धशतक 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की हार का मुख्य कारण बना था। ऐसा माना जा रहा है कि यशस्वी जायसवाल के पास वनडे टीम में जगह बनाने का बहुत अच्छा मौका है। उनके होने से टॉप चार में बाएं हाथ के बल्लेबाज की जगह पक्की हो जाएगी, लेकिन अगर ऋषभ पंत पहली पसंद के विकेटकीपर हैं तो क्या राहुल को बैकअप के तौर पर रखने का कोई मतलब होगा?

इस धाकड़ बल्लेबाज की टाप-10 में एंट्री, गिल और कोहली को हुआ नुकसान, रोहित शर्मा का बुरा हाल

शुभमन गिल और विराट कोहली को 3–3 स्थान का नुकसान हुआ है। रोहित शर्मा टॉप–40 से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल टॉप–50 से बाहर हो गए हैं। सिडनी टेस्ट से पहले पंत 12वें नंबर पर थे। वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल टॉप–10 में अन्य बल्लेबाज हैं।आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट की ताजा रैंकिंग जारी की। वहीं बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल की टेस्ट बैटिंग रैंकिंग खराब हो गई है। केएल राहुल को भी बड़ा नुकसान हुआ है। हालांकि, सिडनी टेस्ट में 40 और 61 रन की पारी खेलने वाले ऋषभ पंत की एंट्री टॉप–10 में हो गई है। वहीं शुभमन गिल और विराट कोहली को 3–3 स्थान का नुकसान हुआ है। रोहित शर्मा टॉप–40 से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल टॉप–50 से बाहर हो गए हैं। सिडनी टेस्ट से पहले पंत 12वें नंबर पर थे। वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल टॉप–10 में अन्य बल्लेबाज हैं। यशस्वी जायसवाल नंबर 4 पर हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा टॉप–20 में कोई अन्य भारतीय बल्लेबाजी नहीं है।

सिडनी टेस्ट से पहले विराट कोहली 24वें नंबर पर थे। अब वह 27वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इसी तरह गिल 20वें से 23वें नंबर पर खिसक गए हैं। सिडनी टेस्ट न खेलने वाले रोहित शर्मा को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह 42वें नंबर पर पहुंच गए हैं। राहुल को 11 स्थान का नुकसान हुआ है। वह 41वें से 52वें नंबर पर पहुंच गए हैं। जबकि रविंद्र जडेजा को भी 2 रैंक का नुकसान हुआ है। वे 51वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं सिडनी टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे स्कॉट बोलैंड 29 स्थान की छलांग लगाई और टॉप–10 में जगह बना ली। वह रविंद्र जडेजा के साथ नंबर 9 पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस नंबर 2 पर पहुंच गए हैं। बुमराह टॉप पर बने हुए हैं जबकि साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडाघ नंबर 3 पर पहुंच गए हैं। इस बीच आईसीसी ने भारत–ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज की पिचों की रेटिंग जारी की है।

मौनी राय की ग्लैमरस तस्वीरों ने इंटरनेट पर मचाया धमाल, फैंस और सितारों ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया लवर हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

टीवी और बॉलीवुड की लोकप्रिय अदाकारा मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है. मौनी ने अपने ग्लैमरस अवतार में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में मौनी ब्लैक एंड वाइट प्रिंटेड को–ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं और उनका आत्मविश्वास और स्टाइल हर किसी का ध्यान खींच रहा है.एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी अदाओं से बोल्डनेस का तड़का फैंस के बीच लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस मौनी रॉय अपनी हर अदाओं से सोशल मीडिया का पारा गर्म करने लगती हैं। उनका स्टनिंग अवतार सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है।मौनी ने इन तस्वीरों के साथ मजेदार कैप्शन लिखा, समस्या का हिस्सा क्यों बनेंय पूरी समस्या बनें। उनके इस अंदाज पर फैंस और सेलेब्रिटी जमकर प्यार बरसा रहे हैं. दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया और मृणाल ठाकुर जैसे सितारों ने कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी के साथ उनकी तारीफ की है.

इंडियन हो या फिर वेस्टर्न मौनी रॉय का हर अंदाज काफी शानदार होता है। उनके हर एक स्टाइल को फैंस काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।

पायल कपाड़िया की फिल्म को नहीं मिल पाया ग्लोब्स अवार्ड

पायल कपाड़िया की कान्स में जीत हासिल करने वाली फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट को 82वें गोल्डन ग्लोब्स अवॉर्ड समारोह में अवॉर्ड नहीं मिल पाया। हालांकि डायरेक्टर ने इस हार को बड़ी ही सहजता से लिया और अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक एक्साइटिंग पोस्ट शेयर की। पायल कपाड़िया फिल्म के प्रोड्यूसर्स के साथ इवेंट में मौजूद थीं। पायल ने एक तस्वीर शेयर की जिसमें वह गोल्डन ग्लोब्स में जाने से पहले थॉमस हकीम, जूलियन ग्राफ और राणाबीर दास के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

पायल ने कैप्शन में लिखा, हमने कुछ नहीं जीता, लेकिन खूब मजा किया। उन्होंने इसके साथ एक मजेदार इमोजी भी जोड़ा। पायल ने पोस्ट पर अपने डिजाइनरों को शुक्रिया कहा। उन्होंने इस मौके पर हाथ से बुना हुआ जंपसूट पहना था।

मुंबई की दो नर्सों के बारे में दिल छू लेने वाला ड्रामा लेकर आई ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट को गोल्डन ग्लोब्स में दो नॉमिनेशन मिले – बेस्ट नॉन इंग्लिश लैंग्वेज मोशन पिक्चर और बेस्ट डायरेक्टर। पहली कैटेगरी में फिल्म एमिलिया पेरेज से हार गई। डायरेक्शन कैटेगरी में द ब्रूटलिस्ट ने अवॉर्ड जीता। पायल कपाड़िया की पहली फीचर फिल्म को कान्स में प्रीमियर के बाद से ही इंटरनेशनल लेवल पर काफी तारीफें मिलीं। इस फिल्म को न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्किल ने बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म का नाम दिया गया और हाल ही में गोथम अवार्ड्स में इसी कैटेगरी में अवॉर्ड जीता। ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने साइट एंड साउंड मैगजीन की साल की 50 बेस्ट फिल्मों की एनुअल लिस्ट में टॉप पोजीशन हासिल की।

कनी कुसरुति, दिव्या प्रभा और छाया कदम के लीड रोल वाली पायल कपाड़िया की फिल्म तीन महिलाओं दो मलयाली नर्सों – प्रभा और अनु – और उनकी दोस्त पार्वती के जरिए मुंबई के हलचल भरे शहर में प्यार और दोस्ती की कहानी पेश करती है। ¼fgQh½

मीका की फिल्म में बिपाशा ने किया था बड़ा ड्रामा

पुलर सिंगर और म्यूजिक प्रोड्यूसर मीका ने फिल्म भी बनाई है। 2020 में फिल्म आई थी डेंजरस, जिसे मीका सिंह ने प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में करण सिंह ग्रोवर और बिपाशा बसु लीड रोल में थे। इस बारे में बात करते हुए मीका सिंह ने बताया था कि दोनों स्टार्स के साथ काम करना उनके लिए अच्छा एक्सपीरियंस नहीं था। दोनों ने काफी ड्रामा क्रिएट किया था। मीका सिंह बताया कि वो करण सिंह ग्रोवर को न्यूकमर के तौर पर कास्ट करना चाहते थे, लेकिन बिपाशा भी फिल्म में आ गई थीं। हालांकि, ये बजट से ज्यादा नहीं था, लेकिन मीका ने कहा कि ये एक्सपीरियंस भयानक था।

मीका ने डिटेल में बताते हुए कहा, मैंने फिल्म बनाई डेंजरस। मैंने 50 लोगों की टीम को शूट के लिए लंदन भेजा। एक महीने का शेड्यूल था। लेकिन ये 2 महीने के लिए बढ़ गया। करण और बिपाशा ने बहुत ड्रामा क्रिएट किया। दोनों शादीशुदा थे इसीलिए मैंने उनके लिए सिंगल रूम बुक किया लेकिन वो लोग अलग–अलग कमरे चाहते थे। मुझे लॉजिक समझ नहीं आया। फिर उन्होंने दूसरे होटल में शिफ्ट होने की डिमांड की। हमने वो भी किया। मीका ने कहा, श्दोनों पति पत्नी थे और फिर भी उन्होंने स्क्रीन पर किस करने में ड्रामा क्रिएट किया जबकि कॉन्ट्रैक्ट में किस का मेंशन था। ये स्टार्स धर्मा प्रोडक्शन और यशराज फिल्म्स जैसे बड़े मेकर्स के पैरों पर गिरते हैं लेकिन जब बात छोटे मेकर्स की आती है तो उनका रवैया बदल जाता है। क्या हम भी पैसा खर्च नहीं कर रहे हैं?मीका सिंह ने ये भी बताया कि सलमान खान और अक्षय कुमार ने उन्हें प्रोड्यूसर न बनने की सलाह दी थी। बता दें कि बिपाशा बसु 7 जनवरी को अपना बर्थडे सेलिब्रेट करेंगी। ¼fgQh½

कंगुवा की आस्कर 2025 में एंट्री, सूर्या की फिल्म ने लिस्ट में 300 से ज्यादा फिल्मों को दी टक्कर

तमिल सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर खास नहीं चली. साल 2024 में बिग बजट की इस फिल्म कंगुवा अपनी लागत निकालने में भी नाकामयाब रही. कंगुवा साल 2024 में बिग बजट की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म है. सूर्या और बॉबी की जोड़ी दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब रही. अब कंगुवा को लेकर शॉकिंग खबर आ रही है. कंगुवा ऑस्कर 2025 में जा रही है. ऑस्कर 2025 कील लिस्ट में 323 ग्लोबल फिल्मों को टक्कर दे कंगुवा ने ऑस्कर के दावेदारों की लिस्ट में जगह बना ली है. इससे सोशल मीडिया पर शोर मच गया है और सूर्या के फैंस बहुत खुश हो रहे हैं.

सिरुथाई शिवा के निर्देशन में बनी फिल्म कंगुवा बीती 14 नवंबर 2024 को रिलीज हुई थी. तकरीबन 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म में कई बड़े–बड़े एक्शन सीन दिखाए थे, जिनका दर्शकों पर खास असर नहीं पड़ा. वहीं, फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयबालन ने अपने एक्स हैंडल पर कंगुवा के ऑस्कर 2025 में जाने की जानकारी दी है. विजयबालन के मुताबिक, फिल्म कंगुवा ने ऑस्कर 2025 में जगह बना ली है.

वहीं, इस खबर से सूर्या और बॉबी के फैंस के बीच खुशी की लह दौड़ गई है. एक्स हैंडल पर लोग जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं. वहीं, कई लोगों ने महाफ्लॉप फिल्म कंगुवा के ऑस्कर में जाने पर हैरानी भी जताई है. कई यूजर्स ने एक्स हैंडल पर कंगुवा के मेकर्स, डायरेक्टर और इसकी स्टारकास्ट को बधाई दी है. तो कई यूजर्स ने विजयबालन के इस पोस्ट पर फायर इमोजी पोस्ट किये हैं.

बता दें, कंगुवा ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का भी कलेक्शन नहीं किया है. फिल्म कंगुवा ने 96 करोड़ रुपये कमाए, जबकि इसके मेकर्स ने दावा किया था कि फिल्म कंगुवा 2000 करोड़ रुपये कमाएगी. वहीं, ओटीटी पर बीती 8 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

बर्थडे से पहले ऋतिक रोशन का फैंस को बड़ा तोहफा, 25 साल बाद री-रिलीज हो रही मास्टरपीस फिल्म कहो ना...प्यार है

ऋतिक रोशन 10 जनवरी को अपना 51 बर्थडे सेलिब्रेट करने वाले हैं. उसके पहले ही उन्होंने अपना फैंस को ऐसा सरप्राइज दिया है जिससे उनके फैंस का दिल खुश हो गया. ऋतिक ने हाल ही में अनाउंस किया कि उनकी आईकॉनिक फिल्म कहो ना प्यार है थिएटर्स में री–रिलीज होने जा रही है.ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल की आईकॉनिक फिल्म कहो ना प्यार है उनके बर्थडे पर यानि 10 जनवरी को थिएटर्स में री–रिलीज होने जा रही है. ऋतिक रोशन ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की झलक शेयर करते हुए लिखा, हम कहो ना प्यार है कि री लॉन्चिंग करने जा रहे हैं. बता दें कहो ना प्यार है 14 जनवरी 2000 में रिलीज हुई थी इसे राकेश रोशन ने डायरेक्ट किया था और यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. रोहित और सोनिया की इस लव स्टोरी को लोगों ने खूब पसंद किया था और वे फिर थिएटर्स में अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं.

रेड ब्लेजर पहन तारा सुतारिया ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज, एक्ट्रेस की हसटनेस ने सोशल मीडिया का बढ़ाया पारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया अपने बोल्ड लुक्स को लेकर ज्यादा चर्चाओं में रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। इन फोटोज में उनका बॉसी लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण अक्सर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस तारा सुतारिया आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने लुक्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग और बॉसी लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

तारा सुतारिया की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर का ब्लेजर पहना हुआ है, एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।

कानों में इयररिंग्स, बालों का स्टाइलिश लुक में बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

तारा सुतारिया अक्सर अपने लुक्स से फैंस को दीवाना बना देती हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न उनका हर एक लुक फैंस के बीच चर्चाओं में रहता है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

००

कृषि महाविद्यालय में हुआ कार्यशाला का आयोजन

आजमगढ़।(आर एन एस)कृषि महाविद्यालय द्वारा दि 07 जनवरी 2025 को फिडिजिटल युग में कृषि–तकनीक और उद्यमिता विषय पर एक दिवसीय उद्यमिता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन आई.सी.ए.आर. –सी.आई.एस.एच. लखनऊ के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो धीरेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। आई.सी.ए.आर.–सी.आई.एस.एच. के वैज्ञानिक डॉ. रवि एस.सी. एवं डॉ. आलोक ने उद्यमिता, व्यावसायिक अवसर की पहचान तथा वित्तीय साक्षरता सरकारी योजनाओं पर युवा मन को जागृत किया। आजमगढ़ के फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ शाकिब ने फूड सेफ्टी के रोल और उसके कार्यों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में कृषि स्नातक कर रहे 60 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्राध्यापक अनिल कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉ विमलेश कुमार, डा. संदीप पांडेय, डा. विनोद कुमार, डा. टी. पांडिराज एवं डॉ. अनिल कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ प्रकाश यादव थे। कार्यक्रम को विकास आयुक्त एम.एस.एम.ई. मंत्रालय नई दिल्ली भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था।

पत्रकार सुरक्षा अधिनियम मांग को लेकर राष्ट्रपति दिया ज्ञापन

आजमगढ़रू(एजेंसी) राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत संगठन के मंडलीय कार्यकारिणी सदस्य संग जिलाध्यक्ष कमल सिंह यादव ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी आजमगढ़ को पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने एवं पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न को लेकर जिलाधिकारी आजमगढ़ को ज्ञापन सौंपा गया। रायपुर छत्तीसगढ़ के बैंच में 120 करोड़ के घोटाले का खुलासा करने वाले पत्रकार को अपहरण कर हत्या कर सच्चाई को छुपाने के लिए बॉडी को सेप्टिटैंक में डाल दिया था। जिसका राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत संगठन ने घोर निंदा करते हुवे देश में पत्रकारों पर हो रहे अत्याचार को कत्तई बर्दास्त नही करेगा। राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत संगठन ने मांग किया है कि दोषियों को फांसी की सजा हो और पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू हो इसी के तहत जिलाधिकारी आजमगढ़ को ज्ञापन सौपा गया है। ज्ञापन देते समय संगठन के पदाधिकारियों संग सदस्य काफी संख्या में उपस्थित रहे। वही ज्ञापन देने के बाद राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत के मंडल अध्यक्ष जितेंद्र मौर्य पत्रकार ने पत्रकारों पर हो रहे उत्पीड़न एवं पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग किया गया.

भानु प्रताप सिंह मार्टीनगंज मंडल सुरेश राजभर सिकरौर मंडल

आजमगढ़रू(आरएनएस)विधान सभा क्षेत्र दीदारगंज के अमनावें गांव निवासी शिक्षक नेता वेदपाल सिंह के पुत्र भानुप्रताप सिंह को मार्टिनगंज मंडल का भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है कार्य कर्ताओं का उनके सर्वोदय महाविद्यालय पर सुबह से ही आना शुरु हो गया पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास राय, सचिन सिंह, कुंदन राय,ज्योति प्रताप सिंह, रिंकल सिंह, सिंटू यादव, अरविंद गौतम, विक्की सिंह, सुशील सिंह, पंकज राय आदि ने उन्हें मिठाई खिलाकर के बधाईयां दी। वहीं कवरागहनीं गांव निवासी सुरेश राजभर को सिकरौर का मंडल अध्यक्ष बनाए जानें पर उनके शुभ चिंतकों सुशील गुप्ता,विक्रम जायसवाल, विकास राजभर, पतिराम राजभर, विक्की गौतम,महासिंग चौहान, पवन चौहान,मनीष विश्वकर्मा, सामदेव राजभर, पप्पू भाई आदि ने बधाईयां दी तो वहीं खेतापटी गांव निवासी मनीष सिंह बंटी को दीदारगंज मंडल का भाजपा अध्यक्ष बनाए जानें पर दीदारगंज मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं तथा शुभ चिंतकों अजय सिंह, दिनेश अखिलेश राय,अहसन अजीज ऊर्फ लल्ला आदि ने बधाई दी है।

एक दिवसीय रोजगार मेंले का होगा आयोजन

आजमगढ़) सहायक निदेशक (सेवा0) राममूर्ति ने बताया है कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय आजमगढ़, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आजमगढ़ एवं कौशल विकास मिशन आजमगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 जनवरी 2025 को राजकीय आई0टी0आई0 आजमगढ़ में एक दिवसीय रोजगार मेंले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे हिण्डालको इण्डस्ट्रीज, जीएमआर स्मार्ट इलेक्ट्रीसीटी डिस्ट्रीब्यूशन प्रा0लि0, जीएसइडी प्रा0लि0, मिडलैंड माइक्रोफाइन लि0, किलटोन जीओ इंजीनियरिंग प्रा0लि0 एवं अन्य निजी क्षेत्र की कम्पनिया प्रतिभाग कर रही है। ऐसी स्थिति में सेवायोजन कार्यालय आजमगढ़ में पंजीकृत जॉब सीकर (बेरोजगार अभ्यर्थी) रोजगार हेतु पोर्टल तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद (रोजगार मेंलो में रिक्तियां देखने के लिए यहां क्लिक करे) पर क्लिक कर उपरोक्त कम्पनियों के विज्ञापित रिक्तियों के विवरण देखकर अपने पंजीयन यूजर आई0डी0 का प्रयोग कर आन–लाईन आवेदन करते हुये रोजगार मेले में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करे।

लड़की का अपहरण करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़रू(आरएनएस) के पवई थाने की पुलिस ने अपहरण के अभियोग में एक अभियुक्त गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, वादी मुकदमा थाना पवई जनपद आजमगढ द्वारा एक प्रार्थना पत्र दिया गया कि वादी की पुत्री उम्र लगभग 17 वर्ष समय करीब सुबह 4 बजे घर से कही चली जाने के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 361ध्24 धारा 137(2) बीएनएस बनाम अज्ञात के पंजीकृत किया गया, बुधवार को वादी मुकदमा के साथ पीड़िता थाना पवई पर उपस्थित आयी एवं पीड़िता ने अपने बयान अन्तर्गत धारा 180 बीएनएसएस में बताया गया कि गुलशन पुत्र विजय बहादुर निवासी ग्राम असपतपुर जगदीशपुर थाना फूलपुर आजमगढ़ द्वारा पीड़िता को बहला फुसलाकर भगाया गया था । विवेचना व संकलित साक्ष्य से मुकदमा उपरोक्त में धारा 87 बीएनएस की बढोत्तरी की गयी तथा अभियुक्त गुलशन पुत्र विजय बहादुर निवासी ग्राम असपतपुर जगदीशपुर थाना फूलपुर आजमगढ़ उम्र करीब 22 वर्ष का नाम प्रकाश में लाया गया । आज दिनांक 08.01.25 को उ0नि0 सुर्लभ पाण्डेय मय हमराह का0 अनुराग यादव, का0 अशोक यादव के साथ मुखबिर खास की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त में प्रकाश में आये अभियुक्त गुलशन उपरोक्त को फत्तनपुर मोड़ के पास से समय करीब 10.50 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया अभियुक्त का चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है ।

भाकियू ने विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

'भाकियू का आरोप 38 वर्षों से देश के उस वर्ग की आवाज को हम उठा रहे है जिसे लोकतंत्र में दबाने का काम किया जा रहा है,

मीरजापुर। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने मिर्जापुर के चुनार तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। भाकियू के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर चुनार तहसील मुख्यालय में राष्ट्रपति के नाम राष्ट्रीय स्तर पर 11 सूत्रीय और तहसील स्तरीय मांग पत्र उप जिलाधिकारी चुनार को सौंपते हुए भाकियू के प्रदेश महासचिव प्रहलाद सिंह ने कहा कि हम मजदूर और किसान आज पूरे भारत में अपने मुद्दों को उजागर करने और निवारण की मांग के लिए विरोध कर रहे हैं। आपको (राष्ट्रपति) इस उम्मीद के साथ ज्ञापन भेज रहे हैं, कि आप देश की इन दो प्रमुख उत्पादन शक्तियों के पक्ष में हस्तक्षेप करेंगी। कहा भारतीय किसान यूनियन विगत 38 वर्षों से देश के उस वर्ग की आवाज को उठा रहा है, जिसे लोकतंत्र में दबाने का काम किया जा रहा है। हताश देश का किसान आत्महत्या को मजबूर हो रहा है। वर्षों के बदलने का क्रम जारी है, लेकिन हम किसान, मजदूर, आदिवासी, दलित ,शोषित, पिछड़े वर्गों का यह संघर्ष अपने अधिकार के लिए जारी है। वर्ष 2025 शुरू हो चुका है, लेकिन कोई भी ऐसा माध्यम नजर नहीं आ रहा है जिससे इन वर्गों का उत्थान हो सके।

किसानों ने 2020 में तीन कृषि कानून के खिलाफ देश की राजधानी को घेरकर आंदोलन किया था। किसानों के लंबे संघर्ष के बाद जब कृषि कानून वापस लिए गए थे, तब किसानों से किए गए वादे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। भारतीय किसान यूनियन ने सभी फसलों के लिए कानूनी रूप से गारंटी कृत खरीद के साथ सी 2 50 प्रतिशत पर एमएसपी देनी सुनिश्चित की जाए की मांग करते हुए। गन्ने का मूल्य उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में खर्च के अनुपात में ६500 प्रति कुंतल घोषित किया जाने क्योंकि पेराई सत्र चले दो माह से अधिक का समय हो गया है भुगतान को डिजिटल माध्यम से जोड़ा जाए, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल जी की 43 दिन से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं उनके स्वास्थ्य को देखते हुए केंद्र सरकार किसानों के सभी मांगे जल्द से जल्द पूरी करें, ऋणग्रस्तता और किसान आत्महत्या को समाप्त करने के लिए व्यापक ऋण माफी किया जाए, खेती में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों व अन्य वस्तुओं को जीएसटी मुक्त किया जाए और देश में जेनेटिकली मोडिफाइड सीडस पर रोक लगाई जाए, शुगर केन कंट्रोल ऑर्डर एंड खांडसारी रेगुलेशन 2024 को रद्द किया जाए, क्योंकि इस आदेश से उत्तर प्रदेश में 350 खांडसारी के उद्योग प्रभावित हो रहे हैं जिसका सीधा प्रभाव गांव देहात के किसान पर पहुंच रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने कहा केंद्र सरकार न्यू नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट पॉलिसी को रद्द करें साथ ही सभी किसान संगठनों से चर्चा कर एक प्रभावी नीति तैयार करें। मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह ने संबोधित करते हुए तहसील स्तरीय समस्याओं को रखा जिसमें चुनार में स्थित पोस्टमार्टम हाउस को स्थावत चुनार में रहने दिया जाए, धान खरीद में धान की उठान में देरी और पर्याप्त मात्रा में बोरे उपलब्ध कराने के साथ किसानों का किसी भी प्रकार शोषण और कटौती न किया जाए, राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरईपुर गेट के सामने कट की मांग और सिंचाई खंड चुनार अंतर्गत अहरौरा नगर पालिका का गंदा पानी धुरिया माइनर और आनंदीपुर माइनर में जा रहा है उसको रोकने और उनके जलालपुर माफी में खेलकूद की जमीन रेलवे द्वारा अधिग्रहण होने के उपरांत पुनः रेलवे द्वारा जमीन का अधिग्रहण खेलकूद के नाम पर किया गया उसको ग्राम सभा को सौंपा जाए की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी, वीरेंद्र सिंह जिला महासचिव, स्वामी दयाल सिंह जिला कोषाध्यक्ष, मंडल प्रवक्ता राजेश सिंह, मुकुटधारी सिंह मंडल कार्यकारिणी सदस्य, परशुराम मौर्या, मंडल उपाध्यक्ष, धर्मेंद्र सिंह मीडिया प्रभारी, रतनलाल चौरसिया युवा जिला उपाध्यक्ष ,रामबृक्ष सिंह तहसील अध्यक्ष, पप्पू पटेल, पतालू खरवार, रामचंद्र यादव, रामराज बिंद, राम श्रृंगार सिंह, जितेंद्र कुमार, रामबृक्ष सिंह, डॉक्टर रामप्यारे सिंह, बृजेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सपा का आरोप बीजेपी राज में गुंडागर्दी चरम पर

'मृत सपा कार्यकर्ता के घर पहुचे एमएलसी, जताया शोक

मीरजापुर। सपा नेता की हत्या के मामले में पीड़ित परिवार से सपा का प्रतिनिधिमंडल मिला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आए प्रतिनिधिमंडल ने सपा नेता के परिजनों से मुलाकात की है। सपाइयों का आरोप कि मामले में पुलिस उदासीनता बरत रही है। मृत सपा नेता के भाई और पिता को लगातार धमकी देने के बावजूद पुलिस शांत बैठी है। सपाइयों का आरोप कि बीजेपी राज में गुंडागर्दी चरम पर कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुकी है। सपा प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद के साथ अन्य सुविधाओं की मांग करते हुए पूरी रिपोर्ट सपा मुखिया अखिलेश यादव को देने की बात कही है।इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार व प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को अपराह्न कटरा कोतवाली थाना क्षेत्र के हरना की गली पहुंचा। जहां सुरेश चन्द्र ओझा के पुत्र प्रियांशु ओझा 22 वर्ष जिसकी 01 जनवरी 2025 को कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई थी के शोकाकुल परिवार व उनके पिता सुरेश चन्द्र ओझा के घर पर वस्तुस्थिति की जानकारी ली व शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और उनसे मिलकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तरफ से शोक जताया। इस दौरान पार्टी की तरफ से हरसम्भव मदद करने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर विधायक सकलडीहा ने कहा कि कुल्हाड़ी से मारकर सपा कार्यकर्ता प्रियांशु ओझा की रात्रि 9.30 बजे हत्या कर दी गई थी। पुलिस घटना में शामिल साजिशकर्ता को अभी गिरफ्तार नहीं किया है। प्रियांशु ओझा का परिवार आर्थिक स्थिति से कमजोर है। उन्होंने कहा कि जनपद की कानून व्यवस्था बिगड़ गई है। इसके बाद विधायक प्रभु नारायन सिंह यादव ने पार्टी कार्यालय लोहिया ट्रस्ट में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि अपराधी खुलेआम घटना को अंजाम देकर फरार हो जा रहे है। लूट, हत्या व छिनैती की घटनाओं के अलावा बलात्कार की घटनायें भी जनपद में बढ़ी है। जनपद की कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है। विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने कहा कि प्रियांशु ओझा के परिवार को हर सम्भव मदद किया जायेगा।प्रतिनिधिमंडल में सपा जिलाध्यक्ष सहित कई अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे हैं।

नवनिर्वाचित भाजपा मंडल अध्यक्ष लालगंज का हुआ जोरदार स्वागत

आजमगढ़ (आरएनएस)भारतीय जनता पार्टी मंडल लालगंज के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह अमिलिया एवं जिला प्रतिनिधि रजनीश जायसवाल का तहसील मुख्यालय पर बाजा गाजे के साथ हुआ भव्य स्वागत। भारतीय जनता पार्टी संगठन महापर्व चला रही है ।जिसमें बूथ अध्यक्ष से लेकर मण्डल ,जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष और पदाधिकारियों का चयन होना है। उसी क्रम में लालगंज मंडल में अरुण कुमार सिंह अमिलिया मण्डल अध्यक्ष तथा रजनीश जायसवाल जिला प्रतिनिधि चुने गए हैं।जिनका आज तहसील मुख्यालय पर बाजे गाजे के साथ फूल मालाओं को पहनाकर और मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत हुआ। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष से लेकर मंडल तथा जिले व क्षेत्र पदाधिकारी बहुत बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के पूर्व क्षेत्रीय संयोजक ओमप्रकाश सिंह तिलखरा तथा दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह एडवोकेट ने नव निर्वाचित मण्डल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एवं जिला प्रतिनिधि रजनीश जायसवाल का माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया।नेता द्वय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश तथा क्षेत्रीय नेतृत्व ने युवा पीढ़ी को मंडल अध्यक्ष तथा जिला प्रतिनिधि बनाकर सराहनीय कार्य किया है। दोनों कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता है। इनके कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी का जनाधार बढ़ेगा। आगामी दो हजार सत्ताइस मैं होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम फहराने में इन युवा कार्यकर्ताओं का अधिकतम योगदान रहेगा। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ , सबका विकास और सबका विश्वास के आधार पर कार्य करती है। जनता का विश्वास ही भारतीय जनता पार्टी की सफलता का राज है। नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह तथा जिला प्रतिनिधि रजनीश जायसवाल ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा नई जिम्मेदारी देने हेतु प्रदेश तथा क्षेत्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। नेता द्वय ने कार्यकर्ताओं के मान सम्मान की लड़ाई लड़ने की वचनबद्धता जाहिर की। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश सिंह,दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह एडवोकेट, भाजपा के जिला मंत्री सुनील सिंह डब्बू,मनोनीत सभासद लालगंज गौरव रघुवंशी, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष चन्दू सरोज,इन्द्राज चौहान,संजय जायसवाल, राजेंद्र सिंह खन्ना, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल राज गुप्त,अशोक अष्ठाना, प्रसिद्धि नारायण सिंह, सहादुर सोनकर, हरी यादव, आशुतोष राय,अवनीश राय,प्रवेश राय,दिनेश यादव, कृष्ण कुमार मोदनवाल, कृष्ण कुमार सेठ, शिवेन्द्र राय,हरि नारायण सिंह, जितेंद्र सोनकर,सुनीश श्रीवास्तव,धीरेंद्र ,देवेंद्र पांडेय,ओंकार, जितेंद्र चौरसिया आदि बहुत बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए शव को सड़क पर किया जाम

आजमगढ़, पवई थाना क्षेत्र के गालिबपुर में एक युवक की मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए शव को सड़क पर रख पवई–कलान मार्ग को जाम कर दिया। परिजनों की मांग है कि जब तक पुलिस न्याय नहीं देगी तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।युवक की मौत सोमवार को हुई थी। परिजनों ने पट्टीदारों द्वारा मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार की देर शाम जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई तो उसमे ठंड लगने से युवक की मौत होने की पुष्टि हुई।पवई थाना क्षेत्र के गालिबपुर गांव निवासी लालू (38) पुत्र ससेनु का उनके पट्टीदारों से भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। लालू की पत्नी ने बताया कि दो दिन पूर्व पट्टीदारों से विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान पट्टीदारों ने लालू को जान से मारने की धमकी दी थी। इस बात को लेकर पट्टीदारों ने फिर सोमवार की रात करीब 11 बजे लालू के साथ मारपीट की। ग्रामीणों के हस्तक्षेप से मामला शांत हो गया।इसके बाद घर के पास सड़क पर लालू का शव मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना लालू की पत्नी को दी। सूचना मिलते ही लालू की पत्नी अपने चार बेटियों के साथ घर पहुंच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराया तो रिपोर्ट में ठंड से मौन होने की पुष्टि हुई।पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लालू की पत्नी फर्जी बता रही है। पत्नी ने आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम कर रहे चिकित्सक ने उसे पांच लाख रुपये देने की बात कही। पत्नी ने कहा कि जिस जमीन का विवाद चल रहा वह जमीन उनके बच्चों के नाम से किया जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्याय दिया जाए।

सृष्टि राज व आनंद अमित को साहित्य मण्डल, नाथद्वारा, राजस्थान ने किया सम्मानित

मीरजापुर। विश्व विख्यात साहित्यिक संस्था श्साहित्य मंडल, नाथद्वारा, राजस्थानश ने प्रति वर्ष आयोजित होने वाले श्री भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति समारोह में मिर्जापुर की युवा कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज को गीता देवी काबरा स्मृति बाल श्री सम्मान 2025 प्रदान किया। यह सम्मान सृष्टि राज की पुस्तक श्दर्पण में बचपनश के लिए प्रदान किया गया। इसके पूर्व इस पुस्तक पर सृष्टि राज को बाल साहित्य संवर्धन संस्थान, कानपुर द्वारा भी पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा हैं और निरंतर साहित्य लेखन कर रही हैं। साहित्य मंडल, नाथद्वारा साहित्यिक संस्था ने इसी समारोह में मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार आनंद अमित को साहित्य में विशेष योगदान के लिए साहित्य सुधाकर की मानद उपाधि और डॉ. आर के रामन स्मृति सम्मान से नवाजा। आनंद अमित की छह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। यह बीएसएनएल मिर्जापुर में अवर दूर संचार अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और सृष्टिराज के पिता हैं। साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा के प्रधानमंत्री श्याम देवपुरा ने बताया कि यह संस्था प्रतिवर्ष पूरे देश से चुनकर अनेक साहित्यकारों को सम्मानित करती है लेकिन ऐसा अवसर दुर्लभ है कि पिता–पुत्री एक साथ सम्मानित हों।

न्याय पंचायत की बैठक आज

मीरजापुर। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम सभा हरगढ़ कैनाल पंम्प प्रथम में एक बैठक का आयोजन 6 जनवरी 2025 को न्याय पंचायत हरगढ़ में प्रातः 11 बजे किया जाएगा। सभी सम्मानित सदस्य बैठक में समय से उपस्थित हों। जिसमें मत्स्य जीवी सहकारी समिति के गठन पर विचार किया जाएगा।

यह जानकारी मुख्य प्रवर्तक राजकुमार निषाद ने देते हुए सभी से समय से उपस्थित होने की अपील की है।

मातृ भाषा में न्यायिक निर्णय तक जनता की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु उच्च न्यायालय इलाहाबाद की प ह ल

मीरजापुर। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की ओर से न्यायिक अधिकारीगण, जिला अधिवक्ता संघ अधिवक्तागण एवं सचिवगण की प्रदेश स्तर पर बैठक आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित समस्त सदस्यों ने उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की इस पहल की प्रशंसा की। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन मीरजापुर के अध्यक्ष सुशील कुमार दूबे द्वारा इस पहल की प्रशंसा करते हुए यह कहा गया है इससे जनमानस की न्याय तक पहुंच आसानी से सुनिश्चित हो सकेगी। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन मीरजापुर के सचिव संजय कुमार चौधरी द्वारा इस पहल की प्रशंसा करते हुए यह कहा गया है कि न्यायालय एवं अधिवक्तगण को कार्य करने में सहजता एवं सुगमता होगी। कमलेश कुमार सिंह अध्यक्ष मीरजापुर अधिवक्ता संघ द्वारा यह कहा गया है कि इससे आम जनमानस तक न्याय की पहुंच आसान होगी। नरेन्द्र बहादुर सिंह अध्यक्ष बहुसंख्यक बार एसोसिएशन द्वारा यह कहा गया कि इससे वादकारीगण को न्यायिक प्रक्रिया एवं उनके वादों में पारित निर्णयों तथा उन निर्णयों को पारित करने के समुचित आधारों को समझने में आसानी होगी। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा उठाये गये इस कदम से जन साधारण तक न्यायिक निर्णयों तथा उन निर्णयों की मूल भावना का प्रसार आसानी से किया जा सकेगा। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की अधिकारिक वेबसाइट 2.ससींइंकीपहीबवनतज. पदध्उपेबध्नअेंध्पदकम•.ीजउस पर यह निर्णय ई–इलाहाबाद, उच्च न्यायालय पत्रिका के रूप में उपलब्ध है। इससे साथ ही भारत में किसी उच्च न्यायालय द्वारा पहली बार गैर न्यायिक पत्रिका का प्रकाशन भी माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा ष्न्यायाभा–न्याय की किरणष के रूप में किया गया है जो आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विंध्य युवा अधिवक्ता समिति का वार्षिक चुनाव गहमा गहमी के बीच सम्पन्न

लालगंज, मीरजापुर। तहसील परिसर में विंध्य युवा अधिवक्ता समिति का वार्षिक चुनाव गहमा गहमी के बीच बुधवार को संपन्न हुआ। जिसमें दो पदों के लिए मतदान कराया गया है। अध्यक्ष पद के लिए वृजभूषण पांडेय एवं सचिव के लिए राकेश प्रजापति निर्वाचित हुए हैं। अन्य पदों पर चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। लालगंज तहसील में स्थित विंध्य युवा अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष पद के लिए 83 मत पाकर बृजभूषण पांडेय विजेता बने, निकटतम प्रतिद्वंद्वी रहे श्यामधर पांडेय को 65 मत प्राप्त हुए और 18 मतों के अंतर से बृजभूषण विजेता बने। सचिव पद के लिए राकेश कुमार प्रजापति 75 वोट प्राप्त कर विजेता घोषित हुए। निकटतम प्रतिद्वंद्वी रहे अशोक कुमार सिंह को 74 वोट मिले एक वोट के अंतर से जीत हार का निर्णय किया गया। अन्य पदों पर पहले ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जा चुके हैं जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए जनार्दन प्रसाद मिश्रा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार जायसवाल, सह सचिव के लिए आलोक कुमार पाल, ऑडिटर के लिए बृजेश कुमार मिश्रा तथा पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर दिनेश कुमार मौर्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। लालगंज तहसील परिसर में सुबह 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक मतदान किया गया। मतदान के तुरंत बाद चुनाव अधिकारी अखिलेश कुमार मिश्र एवं सहायक चुनाव अधिकारी गुलाम ए रसूल ने संयुक्त रूप से निर्वाचित होने का घोषणा किया।

कार्य में लापरवाही पर थाना प्रभारी लाइन हाजिर

आजमगढ़)पुलिस अधीक्षक ने कार्यों में लापरवाही के कारण अहीरौला थानाध्यक्ष पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाइन हाजिर कर दिया। थानाध्यक्ष अहिरौल मनीष पाल पर कई आरोप लगे थे। आरोपों के जांच में दोष सिद्ध होने पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें लाइन हाजिर कर दिया। आपको बता दें कि अहिरौला थानांतर्गत शमसाबाद गांव के पास मंजूषा नदी के किनारे संरक्षित गो वंशीय पशुओं के अवशेष मिले थे। जिसे थानाध्यक्ष ने बिना किसी जांच और करवाई के जेसीबी से गड्ढा खुदवा कर नदी के किनारे दफना दिया था।इस मामले में विश्व हिंदू परिषद के जिला संयोजक प्रशांत कुमार ने अपने पदाधिकारियों से इस मामले में शिकायत की थी। उनकी शिकायत पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संयोजक गौरव सिंह रघुवंशी ने इसे लेकर एक्स के माध्यम से आजमगढ़ पुलिस, डीएम आजमगढ़, डीआईजी आजमगढ़, यूपी पुलिस व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ट्वीट किया। पोस्ट में लिखा श्समशाबाद पुल के समीप चार गोवंश का कटा हुआ सिर मिला है। जिसे पुलिस द्वारा वहीं गड़वा दिया गया है। बिना जांच कराएं, घटना की अच्छे से जांच किया जाए और उचित कार्यवाही होश।इस संबंध एसपी ग्रामीण को जांच के लिए कहा गया। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने नदी के किनारे पहुंच कर जेसीबी से खुदाई करवाई ।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।